संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 293
पृष्ठ 8
शनिवार
13 जुलाई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- कान में हो रहा है दर्द?...

विचार- मुस्लिम महिलाओं को सुप्रीम राहत

खेल- जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय युवा..

मुख्यमंत्री ने किया आम महोत्सव का शुभारंभ, कहा-

जापान और मलेशिया को 40 टन आम निर्यात करेगा यूपी

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अवध शिल्प ग्राम में आयोजित आम महोत्सव 2024 का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले 7–8 वर्षों से उत्तर प्रदेश सरकार आम महोत्सव आयोजित कर रही है। सीएम ने कहा कि यूपी इस साल जापान और मलेशिया को 40 टन आम निर्यात करेगा।160 वर्ष के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि लखनऊ का दशहरी अमेरिका को निर्यात किया जा रहा है। भारत में दशहरी का दाम 60 से 100 रुपए के बीच है, लेकिन यही दशहरी जब अमेरिका के मार्केट में पहुंचा तो इसका दाम 900 रुपए किलो हो गया है। यानी अगर हम ड्यूटी टैक्स, कार्गो और एयर फेयर का दाम

भी जोड़ लें तो एक किलो आम अमेरिका भेजने की लागत 250–300 रुपए तक आ रही होगी, तब भी एक किसान एवं बागवान को एक किलो आम पर 600 रुपए की बचत होगी। सीएम योगी ने कहा कि इस आयोजन में सरकार अपने प्रगतिशील किसानों और बागवानों को सम्मानित करती है। उत्तर प्रदेश के उत्पादित आम को हम न केवल देश में बल्कि दुनिया की मार्केट में पहुंच सके इसके लिए प्रयास कर रहे हैं। आप सभी जानते हैं कि हमारी सामान्य भाषा में जिस फल का नाम आम होता है उस फल में प्रत्येक नागरिक की पहुंच का सहज अनुमान लगाया जा सकता है, वह आम है इसलिए सबके लिए सुलभ भी है और सबके लिए सरल भी है और सबके लिए उपयोगी भी है। अतरू जो आम होगा, वहीं राजा भी होगा और इसलिए फलों के राजा के रूप में आम को हम सबने महत्व दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के बागवान केवल 3.15 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में 58 लाख मीट्रिक टन आम का उत्पादन करते हैं। देश के कुल आम उत्पादन का 25 से 30 प्रतिशत आम उत्पादन अकेले उत्तर प्रदेश में होता है। पिछले वर्ष उद्यान विभाग की टीम मास्को गई थी। इसमें लखनऊ और अमरोहा के किसान गए थे। वहां पर टीम ने आम महोत्सव का आयोजन किया था, जिसमें किसानों को ऑर्डर भी मिला था। हमारी सरकार ने भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश के किसानों के लिए सहारनपुर, अमरोहा, लखनऊ और वाराणसी में चार पैक हाउस बनाए हैं। योगी ने कहा कि यूपी आम उत्पादन में देश में अग्रणी है लेकिन अब हमें बढ़ती हुई आबादी के अनुरूप क्वांटिटी और क्वालिटी दोनों को बनाए रखने के लिए लगातार काम करना होगा। दुनिया के मार्केट में उत्तर प्रदेश का आम छा जाए इसके लिए हमें इस प्रकार के महोत्सव के माध्यम से जो जानकारी मिले उसको हमें अपने यहां प्रारंभ करना पड़ेगा। आम की कहां से निर्यात करने की संभावनाएं बन सकती हैं और किन–किन देशों के लिए बन सकती है, हमें उन देशों तक अपनी पहुंच को बनाना ही पड़ेगा।

गुणवत्ता की कसौटी पर खरा बुनियादी ढांचा बनायें एमईएस : मुर्मु

नयी दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को यहां कहा कि सैन्य इंजीनियर सेवा (एमईएस) को गुणवत्ता की कसौटी पर खरा बुनियादी ढांचा बनाकर सम्मान अर्जित करना चाहिए। एमईएस के परिवीक्षाधीनों ने आज यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि एमईएस भारतीय सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण इकाइयों में से एक है क्योंकि यह न केवल तीनों सेनाओं को सेवा प्रदान करती है बल्कि रक्षा मंत्रालय की कई अन्य इकाइयों को भी अपनी सेवाएं प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि एमईएस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे रक्षा बलों के पास मजबूत बुनियादी ढांचा और अच्छी सुविधाएं बनी रहें। इसलिए, एमईएस अधिकारियों की सफलता

की कसौटी यह होगी कि उनके द्वारा बनाये जाने वाला बुनियादी ढांचा या सुविधाएं विश्वसनीयता और गुणवत्ता के मानकों को पूरा करती हैं। उन्होंने एमईएस अधिकारियों को हमेशा सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी सेवाओं में उच्चतम गुणवत्ता बनाए रखकर अपना सम्मान अर्जित करना होगा। राष्ट्रपति ने एमईएस अधिकारियों से कहा कि बुनियादी ढांचे का निर्माण करते समय उन्हें जलवायु परिवर्तन से संबंधित अनुकूलन और शमन को भी ध्यान में रखना होगा। उन्होंने कहा कि वे जो काम करेंगे उसका कार्बन फुटप्रिंट न्यूनतम होना चाहिए। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि एमईएस अधिकारियों की जिम्मेदारी न केवल तकनीकी बल्कि नैतिक और प्रबंधकीय भी है।

राहुल का स्मृति ईरानी को भला-बुरा नहीं कहने का आग्रह

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अपने समर्थकों से शुक्रवार को आग्रह किया कि चुनाव में जीत हार होती रहती है, इसलिए चुनाव जीतने या हारने पर किसी को भला बुरा नहीं कहा जाना चाहिए। श्री गांधी ने आज यहां कहा "जीवन में हार–जीत लगी

रहती है। मैं सभी से आग्रह करता हूं कि वे श्रीमती ईरानी के प्रति अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने और बुरा व्यवहार करने से बचें। मामला सिर्फ श्रीमती स्मृति ईरानी का ही नहीं किसी अन्य नेता को लेकर भी गलत टिप्पणी नहीं की जानी चाहिए।" उन्होंने कहा कि किसी को नीचा दिखाने का प्रयास करना अपनी कमजोरी का प्रदर्शन करना है ,इसलिए गलत भाषा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा "लोगों को नीचा दिखाना और अपमान करना कमजोरी की निशानी है, ताकत की नहीं।" गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव हारने के बाद श्रीमती ईरानी को सरकारी बंगला खाली करना पड़ा तो सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया की बाढ आ गई कि यह वही श्रीमती ईरानी हैं जो श्री गांधी को लोकसभा की सदस्यता के अयोग्य ठहराए जाने के बाद उनका आवास खाली कराने के लिए छटपटा रही थीं। लोगों ने लिखा है कि समय सबका घमंड चूर करता है। इस तरह की कई टिप्पणियां सोशल मीडिया पर आ रही हैं जिनके मद्देनजर श्री गांधी ने समर्थकों से यह अपील की है।

कश्मीर में भूकंप के झटके

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू–कश्मीर की राजधानी श्रीनगर और कश्मीर घाटी के कुछ हिस्सों में शुक्रवार को भूकंप के मध्यम झटके महसूस किये गये। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आज दोपहर करीब 12.26 बजे आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.2 मापी गई। भूकंप का केंद्र बारामूला जिले के उत्तर पूर्व में पांच किलोमीटर की गहराई में उत्तर में अक्षांश 34.32 तथा पूर्व में देशांतर 74.41 में स्थित था। इस दौरान, जान–माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

बदरीनाथ धाम के मुख्य पुजारी ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी का इस्तीफा मंजूर

गोपेश्वर, एजेंसी। श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति ने शुक्रवार को बदरीनाथ धाम के मुख्य पुजारी रावल ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने बताया कि नंबूदरी की स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के आवेदन को स्वीकृति प्रदान करते हुए उन्होंने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। उन्होंने कहा कि अग्रिम आदेश तक उनकी

जगह नायब रावल अमरनाथ नंबूदरी को प्रभारी रावल (पुजारी) तैनात किया गया है। निवर्तमान रावल ईश्वर प्रसाद ने स्वास्थ्य कारणों से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति हेतु आवेदन किया था। अजय ने बताया कि रविवार से बदरीनाथ धाम में नए रावल के हाथों भगवान बदरी विशाल की पूजाएं होंगी। उधर, मंदिर समिति द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि नायब रावल को प्रभारी रावल के रूप में पूजा–अर्चना का कार्यभार सौंपने के लिए धार्मिक परंपराओं और मान्यताओं के अनुरूप 13 एवं 14 जुलाई को दो दिन तक विभिन्न अनुष्ठान आयोजित होंगे।

हर साल 25 जून को मनाया जाएगा संविधान हत्या दिवस

मोदी सरकार ने जारी किया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार ने हर साल 25 जून को श्संविधान हत्या दिवसश के रूप में मनाने का फैसला किया है। इसका नोटिफिकेशन भी जारी कर दिया गया है। यह वही दिन है जब इंदिरा गांधी सरकार द्वारा 1975 में आपातकाल की घोषणा की गई थी। केंद्र ने उन सभी लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए 25 जून को "संविधान हत्या दिवस" घोषित किया, जिन्होंने आपातकाल के दौरान सत्ता के घोर दुरुपयोग का सामना किया और इसके खिलाफ लड़ाई लड़ी। इसको लेकर जानकारी देते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने अपनी तानाशाही मानसिकता को दर्शाते हुए देश में आपातकाल लगाकर भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का गला घोंट दिया था। भाजपा नेता ने आगे लिखा कि लाखों लोगों को अकारण जेल में डाल दिया गया और मीडिया की आवाज को दबा दिया

गया। भारत सरकार ने हर साल 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय किया है। यह दिन उन सभी लोगों के विराट योगदान का स्मरण करायेगा, जिन्होंने 1975 के आपातकाल के अमानवीय दर्द को झेला था। उन्होंने यह भी लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य उन लाखों लोगों के संघर्ष का सम्मान करना है, जिन्होंने तानाशाही सरकार की असंख्य यातनाओं व उत्पीड़न का सामना करने के बावजूद लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि 'संविधान हत्या दिवस' हर भारतीय के अंदर लोकतंत्र की रक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अमर ज्योति को जीवित रखने का काम करेगा, ताकि कांग्रेस जैसी कोई भी तानाशाही मानसिकता भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न कर पाए। हाल में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान को लेकर जबरदस्त तरीके से राजनीति होती रही। विपक्ष लगातार भाजपा सरकार पर यह आरोप लगता रहा कि वह इस संविधान को खत्म करने की कोशिश हो रही है।

सीबीआई मुकदमे में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 जुलाई तक बढ़ी

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने आबकारी नीति घोटाले से जुड़े कथित भ्रष्टाचार के मुकदमे गिरफ्तार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 25 जुलाई तक के लिए बढ़ा दी।

राऊज एवेन्यू स्थित केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह आदेश पारित किया। श्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत समाप्त होने के बाद उन्हें वर्चुअल माध्यम से विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां उनकी हिरासत अवधि बढ़ा दी गई। इससे पहले आज उच्चतम न्यायालय ने मुख्यमंत्री को ईडी की ओर से दर्ज मुकदमे में अंतरिम जमानत दे दी, लेकिन वह सीबीआई की ओर से दर्ज मुकदमे के कारण तत्काल जेल से रिहा नहीं हो पाएंगे। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की शीर्ष अदालत की पीठ ने मुख्यमंत्री को ईडी की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर अंतरिम राहत संबंधि आदेश पारित किया। पीठ ने उन्हें राहत देते हुए कहा कि याचिकाकर्ता (केजरीवाल) की ओर से ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका में उठाए गए कुछ कानूनी पहलुओं पर शीर्ष अदालत की बड़ी पीठ द्वारा विचार किए जाने की आवश्यकता है। इसलिए उनकी अंतरिम जमानत याचिका तब तक स्वीकार की जाती है।

हर वर्ष 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाया जायेगा

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने देश में आपातकाल का विरोध करने वाले लोगों के संघर्ष तथा योगदान को याद करने के लिए हर वर्ष 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' मनाने का निर्णय लिया है। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी कर कहा कि तत्कालीन सरकार ने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल लागू कर सत्ता का घोर दुरूपयोग किया था और लोगों पर ज्यादतियां तथा अत्याचार किये गये थे। अब सरकार ने आपातकाल के दौरान संघर्ष करने वाले लोगों के योगदान को याद करने के लिए तथा उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए हर वर्ष 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

शुभेंदु अधिकारी ने की अमित शाह से मुलाकात

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और उन्हें राज्य भर में 'भीड़ हिंसा' सहित ताजा राजनीतिक घटनाक्रमों से अवगत कराया है। श्री अधिकारी ने कहा कि उन्होंने गुरुवार को नयी दिल्ली में

श्री शाह से उनके आवास पर मुलाकात की और राज्य को हिलाकर रख देने वाली 'भीड़ हिंसा' और उत्तरी दिनाजपुर के चोपड़ा में तृणमूल कांग्रेस के नेताओं तजीमुल उर्फ जेसीबी और उत्तर 24 परगना में कमरहाटी–अरियादाहा में जयंत सिंह द्वारा महिलाओं पर किए गए अत्याचारों के बारे में बताया। राज्य के नंदीग्राम के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, "श्री अमित शाह ने चुनाव के बाद की हिंसा के पीड़ितों के बारे में पूछताछ की और हिंसा को कम करने के संबंध में पूरा समर्थन दिया।" श्री अधिकारी ने कहा "मैंने उन्हें एक यूएसबी ड्राइव सौंपी जिसमें चोपड़ा में एक महिला की सरेआम पिटाई, कूच बिहार में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की एक महिला कार्यकर्ता को निर्वस्त्र करने, मुर्शिदाबाद में तृणमूल कांग्रेस के दो गुटों और तृणमूल कांग्रेस पंचायत सदस्यों के बीच बंकरा गैंगवार में देशी बम के साथ घूमना और अरियादाहा घटना के वीडियो फुटेज हैं।

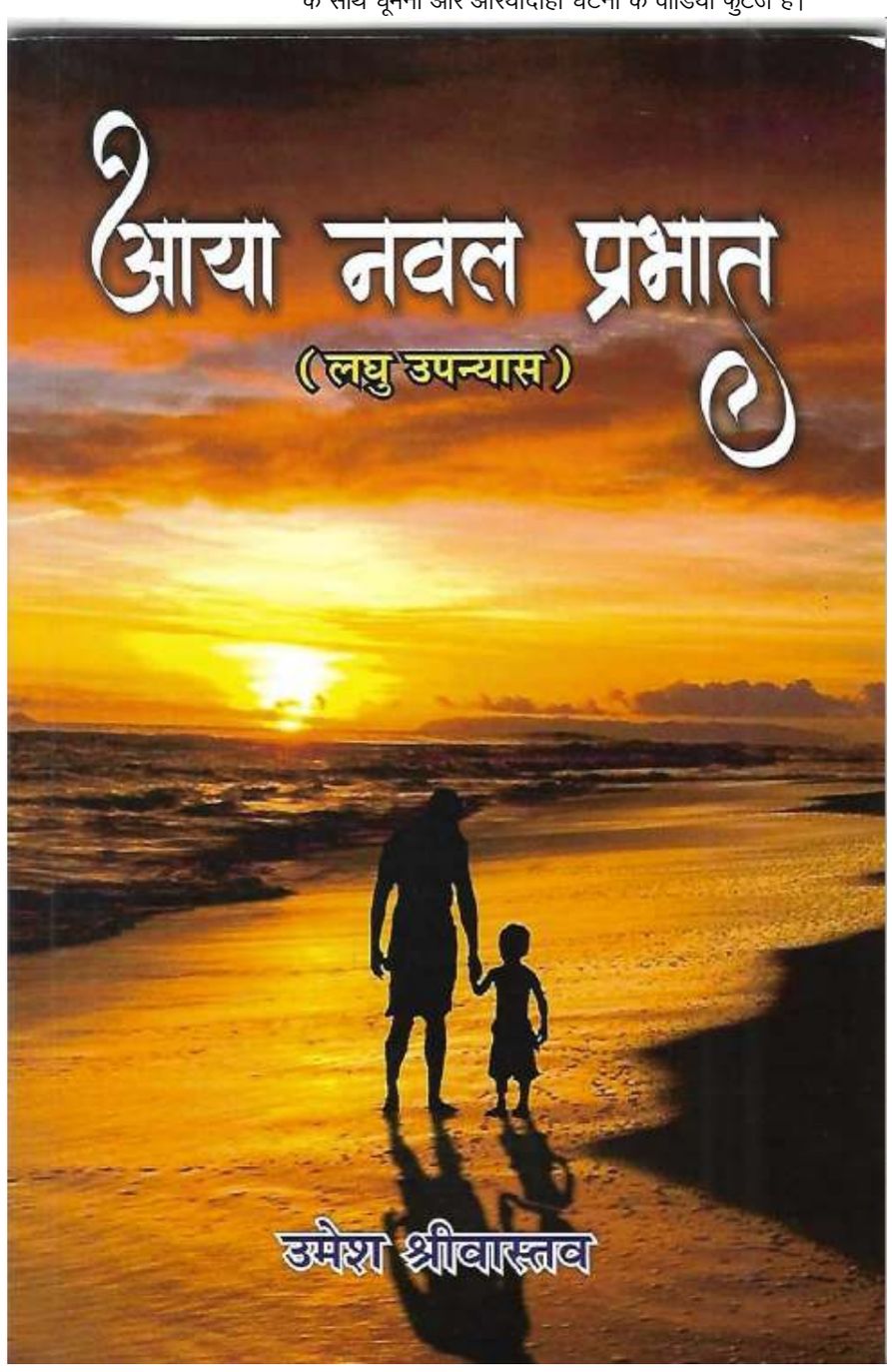

प्रयागराज में महाकुंभ की तैयारियों की मॉनिटरिंग

नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव करेंगे रिव्यू, निर्माणाधीन प्रोजेक्ट की करेंगे जांच

प्रयागराज। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात आज दूसरे दिन शुक्रवार को भी प्रयागराज में हैं। कल गुरुवार को भी वह कई कार्यों का निरीक्षण किया और आज भी उनका कार्यक्रम प्रयागराज में ही है। वह महाकुंभ से संबंधित चल रहे कई निमार्णधीन कार्यों की हकीकत देखेंगे। इसके बाद वह बसवार प्लांट जाएंगे, इसके बाद नगर निगम के कंट्रोल रूम को देखेंगे। आईआरटी आरओबी, सूबेदारगंज आरओबी सहित अन्य परियोजनाओं का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

चौराहों पर पौधे लगाने के दिए निर्देश

प्रमुख सचिव ने कल भी विभिन्न विभागों द्वारा कराए जाए रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया था। उन्होंने लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाई जा रही एयरपोर्ट रोड जाकर वहां कराए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। वहां पर ग्रीनरी विकसित करने हेतु सीजनल पेड़ लगाने के कार्य को अति शीघ्र प्रारंभ करने तथा चौराहों पर इंस्टॉलेशन इस प्रकार लगाने के निर्देश दिए थे जिससे कि दोनों तरफ विजिबिलिटी बनी रहे एवं एक्सीडेंट होने की संभावना न हो। प्रमुख सचिव ने सिक्स लेन ब्रिज, नागवासुकी मंदिर, दशाश्वमेध घाट, किलाघाट हनुमान मंदिर कॉरिडोर तथा अन्य स्थानों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी कार्यों में गुणवत्ता संबंधित जानकारी ली। प्रमुख सचिव ने लेटे हनुमान मंदिर जा कर वहां पर पूजन भी किया।

मंत्री नंदी का पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव

प्रयागराज में 2010 में मंत्री पर आरडीएक्स बम से हुआ था हमला

प्रयागराज। योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी पर आज से ठीक 14 वर्ष पहले आरडीएक्स रिमोट बम से जानलेवा हमला हुआ था। इसके बाद से मंत्री हर साल अपना पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव मनाते हैं। शुक्रवार को भी उनका पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। मंत्री नंदी बहादुरगंज के प्राचीन शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का रूद्राभिषेक और पूजन किया।

इस हमले से दहल गया था शहर

12 जुलाई 2010 का ही दिन था जब मंत्री नंदी पर प्रयागराज के बहादुरगंज की गली में आरडीएक्स रिमोट बम से जानलेवा हमला किया गया था। जिस समय हमला हुआ मंत्री नंदी प्रतिदिन की तरह प्राचीन मनोकामना पूर्ति शिव मंदिर में जल चढ़ाने जा रहे थे। नंदी पर हुआ हमला इतना जोरदार था कि पूरा शहर दहल उठा था। इस जानलेवा हमले में एक सुरक्षा कर्मी एवं एक पत्रकार की मौत हो गई थी और मंत्री गंभीर रूप से जख्मी हुए थे।

7 माह तक मंत्री का चला था इलाज

मंत्री नंदी 7 महीने तक अस्पताल में थे। इलाज के बाद मौत को मात देकर वह वापस लौटे। प्रदेश के व्यापारी, उद्यमी एवं वैश्य समाज के लोग 12 जुलाई का दिन प्रत्येक वर्ष व्यापारी साहस दिवस के रूप में मनाते हैं। क्योंकि मंत्री नंदी ने व्यापारियों, उद्यमियों से होने वाली गुंडा टैक्स वसूली एवं उत्पीड़न के विरुद्ध न केवल आवाज उठाई बल्कि सक्रिय रूप से उसके लिए काम करना शुरू कर दिया था। बताया जाता है कि इन्हीं वजहों से मंत्री पर जानलेवा हमला किया गया था।

संघर्षों से भरा रहा नंदी का सफर

प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र से विधायक और कैबिनेट मंत्री नंदी का जीवन शुरू से चुनौतियों से भरा रहा। प्रयागराज के बहादुरगंज मोहल्ले में 23 अप्रैल 1974 को जन्मे नंदी के पिता सुरेश चंद्र डाक विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। मां विमला देवी घर में सिलाई, बुनाई करती थी। आर्थिक तंगी होने के बाद भी उनका हौसला मजबूत था और उन्होंने सदैव संघर्ष और अपने इच्छाशक्ति से वो मुकाम हासिल किया, जो लोगों के लिए प्रेरणा बने। शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र से पहली बार चुनाव लड़े और विधायक बने, फिर कैबिनेट मंत्री बने। फिर तब से अब तीन बार विधायक और तीन बार कैबिनेट मंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

समाज कल्याण विभाग में चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी

प्रयागराज में कोर्ट और अधिकारियों को भेजी फर्जी जांच रिपोर्ट, केस दर्ज, हाईकोर्ट पहुंचा मामला

प्रयागराज। प्रयागराज में समाज कल्याण विभाग में चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। वर्तमान जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. प्रज्ञा पांडेय की तहरीर पर कर्नलगंज थाने में धोखाधड़ी, कूटरचना समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ है। पुलिस केस दर्ज कर जांच में जुटी है। असल में सिलाई, कढ़ाई तथा बुनाई प्रशिक्षण एवं उत्पादन केंद्र दारागंज में लिपिक पर पद पर नीलम सिंह की नियुक्ति की गई। कुछ अभ्यर्थी मामले में कोर्ट चले गए तो एक अभ्यर्थी अर्शिया बानों ने मामले की शिकायत कमिश्नर से की। इस पर कमिश्नर ने मामले की जांच समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण सिंह को दी। लेकिन प्रवीण सिंह ने कहा कि वह समकक्ष अधिकारी (तात्कालीन समाज कल्याण अधिकारी विकास) के खिलाफ जांच के लिए अधिकृत नहीं है। इस संबंध में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अवगत कराते हुए खुद को जांच से अलग कर लिया।

हाईकोर्ट में याचिका हुई तो जांच रिपोर्ट भेजी

इसके बाद उनका तबादला गैर जनपद हो गया। कुछ दिनों बाद पंकज पांडेय संस्था प्रबंधक सिलाई, कढ़ाई, बुनाई एवं उत्पादन केंद्र दारागंज ने हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में जांच आख्या सलंग्न की। साथ ही जिला समाज कल्याण अधिकारी विकास ने उच्च अधिकारियों को यह जांच रिपोर्ट भेजी। यह मामला संज्ञान में आया तो इसकी जांच शुरू हो गई। वर्तमान जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. प्रज्ञा पांडेय ने मामले की हकीकत जानने के लिए तात्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रवीण सिंह को पत्र लिखा। प्रवीण सिंह ने इस पत्र के जवाब में लिखा कि उनके द्वारा कोई जांच नहीं की गई। न ही संबंध में जांच के लिए संस्था से अभिलेख, साक्ष्य की जांच के लिए कोई पत्राचार किया। यह पता चलने पर डॉ. प्रज्ञा पांडेय ने कर्नलगंज थाने में तहरीर दी है। ताकि जांच में यह पता चल सके कि फर्जी जांच रिपोर्ट किसने तैयार की। इसमें किसकी संलिप्तता है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 3 भाषाओं में एक साथ दिया फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पहली बार अंग्रेजी, हिंदी और संस्कृत 3 भाषाओं में एक साथ फैसला सुनाया। इसे कोर्ट की ऐतिहासिक पहल माना गया है। कोर्ट ने कहा कि यदि परिवार अदालत ने धारा 125 सीआरपीसी के तहत अंतरिम गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है, तो उस पर अमल होना चाहिए। कोर्ट ने कहा– धारा 482 की अर्जी पोषणीय नहीं है। याची को धारा 128 में आदेश का अनुपालन कराने का उपचार प्राप्त है। वह हाईकोर्ट में आने के बजाय परिवार अदालत में ही धारा 128 की अर्जी दाखिल कर सकती है।

याचिका खारिज करते हुए दिया फैसला

यह आदेश न्यायमूर्ति शिवशंकर प्रसाद ने कंचन रावत की याचिका को खारिज करते हुए दिया है। याची की शादी 1 दिसंबर 2009 को विपक्षी बैजलाल रावत के साथ हुई। शादी में परिवार ने 7–8 लाख रुपए खर्च किए। किंतु दहेज को लेकर याची को ससुराल में प्रताड़ित किया जाता रहा। एक दिन मजबूर होकर उसे घर छोड़कर मायके आना पड़ा। जहां पर उसे 26 नवंबर 2011 को एक बच्चा हुआ। उसने पति से गुजारा भत्ता मांगा। नहीं देने पर परिवार अदालत गाजीपुर में केस दर्ज किया।

प्रतिमाह गुजारा भत्ता का दिया आदेश

परिवार अदालत ने धारा 125 में अंतरिम गुजारा भत्ता चार हजार रुपए प्रतिमाह देने का पति को आदेश दिया। इसका भुगतान किया गया। किंतु बकाया 80 हजार रुपए का भुगतान नहीं किया गया। कोर्ट ने 10 हजार रुपए प्रतिमाह बकाया जमा करने का आदेश दिया। जिसका पालन न करने पर भुगतान करने का आदेश जारी करने की मांग में हाईकोर्ट में धारा 482 के तहत याचिका दायर की थी। विपक्षी द्वारा याचिका की पोषणीयता पर आपत्ति की गई।

पढ़ाई छोड़ बेचने लगे पिस्टल, तीन अरेस्ट

प्रयागराज में असलहा तस्करी करने वाले गैंग का खुलासा, 10 बंदूकें बरामद की गई

प्रयागराज। कोई इंटर फेल हुआ, तो कोई हाई स्कूल लेकिन शाही खर्च जारी रही। जल्दी से जल्दी अमीर बन जाने की लालच में असलहा तस्कर बन गए।

बिहार, राजस्थान और छत्तीसगढ़ से पिस्टल लाकर यूपी और अन्य राज्यों में बेचने लगे। प्रयागराज पुलिस को लगातार असलहा तस्करी का इनपुट मिलने लगा। पुलिस टीमें सुराग में जुट गईं। अंत में एसओजी और सर्विलांस ने तस्करों को दबोच लिया। एसओजी यमुनानगर व नैनी पुलिस की संयुक्त टीम ने अन्तर्राज्यीय गैंग के तीन बदमाशों को पकड़ा है। इनके कब्जे 10 ऑटोमैटिक पिस्टल, 6 कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस की पूछताछ में साफ हुआ– पढ़ाई लिखाई छोड़ यह युवा असलहों के धंधे में उतर आए। शिवम पांडेय महज 18 साल है। जबकि राम प्रसाद 22 साल और वसी मोहम्मद 23 साल का है। महंगे शौक और जल्द लखपति बनने के चक्कर में तीनों गलत रास्ते पर चल पड़े। शिवम ने इंटर के बाद पढ़ाई दी है। राम प्रसाद और वसी भी पढ़ाई छोड़ कर जल्दी पैसा कमाने की चक्कर में असलहा तस्कर बन गए।

कई राज्यों में करते पिस्टलों की सप्लाई

डीसीपी यमुना नगर श्रद्धा नरेंद्र पांडेय ने बताया कि नैनी पुलिस व एसओजी की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर डीपीएस स्कूल के सामने कछार से अन्तर्राज्यीय गैंग के सदस्य शिवम पांडेय उर्फ कुनाल निवासी ग्राम औरा बड़ौत थाना हड़िया, रामप्रसाद पांडेय निवासी ग्राम सोरांव मेजा व वशी मोहम्मद निवासी ग्राम डिघिया मांडा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी शिवम पांडेय उर्फ कुनाल के कब्जे से 8 ऑटोमेटिक पिस्टल 32 बोर, दो कारतूस, एक बाइक बरामद की गई। इसके साथ ही राम प्रसाद पांडेय व वशी मोहम्मद के कब्जे से एक–एक ऑटोमेटिक पिस्टल 32 बोर व दो–दो कारतूस, एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

डिमांड पर सप्लाई करता था शातिर

पिस्टलों के साथ पकड़े गए शातिरों ने पूछताछ में बताया कि सरगना शिवम ने पिस्टल की मांग होने पर बिहार के मुंगेर, छत्तीसगढ व अन्य राज्यों से अवैध शस्त्र मंगवाता है तथा उन शस्त्रों को हम लोग बेचकर अच्छी खासी रकम की कमाई करते है। पूर्व में 40 शस्त्रों की सप्लाई की बात स्वीकार की है। जिनकी बरामदगी के लिए टीम लगी है। नैनी पुलिस व एसओजी की टीम द्वारा पकडे गए अन्तर्राजीय गैंग के अवैध असलहा सप्लायर पिस्टल को जिले में 25 से 30 हजार की कीमत में बेचा करते थे। इसके बाद राम प्रसाद और वशी मोहम्मद इससे अधिक रकम पर दूसरों को असलहा बेचते थे।

यूपीएसएससी की 904 भर्तियों पर सरकार–आयोग से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहायक स्टेटिस्टिकल ऑफिसर व सहायक रिसर्च ऑफिसर चयन को लेकर जवाब–तलब किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ की 904 सहायक स्टेटिस्टिकल ऑफिसर व सहायक रिसर्च ऑफिसर के चयन परिणाम की चुनौती याचिका पर राज्य सरकार व आयोग से 3 हफ्ते में जवाब मांगा है। कोर्ट ने विपक्षी संख्या 4 से 8 को नोटिस भी जारी की है। याचिका की अगली सुनवाई 26 जुलाई को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने कौशल किशोर गौतम व 7 अन्य की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका में याची का कहना है कि 19 सितंबर 2019 को आयोग की भर्ती के लिए ओ लेवल प्रमाणपत्र की अर्हता है, किन्तु चयन सूची में कुछ ऐसे लोग शामिल हैं, जो ओ लेवल प्रमाणपत्र की योग्यता नहीं रखते।

चीन का है ठगों का सरदार, 15 फीसदी कमीशन पर कराता है ठगी

प्रयागराज। पूर्व सीएमओ डॉ. आलोक वर्मा से 1.26 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में साइबर पुलिस ने बृहस्पतिवार को मुख्य आरोपी शबीना, उसका पति पटेल सुहेल मोहम्मद और भाई अमीरद्दीन को रिमांड पर लिया। इन्होंने बताया है कि इनका सरदार चीन का है। इनके ताइवान और दुबई में ऑफिस हैं, जहां ये भारतीयों को बारह से पंद्रह फीसदी कमीशन पर रखते हैं। इसके बाद इनको ट्रेनिंग दी जाती है। ठगी करने के गुर से लेकर पैसों को दुबई और ताइवान में ट्रांसफर करने के हुनर सिखाए जाते हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि पिछले कई साल से वह ठगी के पैसों का वारा–न्यारा कर रहे हैं। शुरुआत के दिनों में उनको चालू खाते खुलवाने का टास्क दिया गया था। कहा गया था कि मेट्रो या महानगर के शहरों में खाते होने चाहिए। इसके बाद वह लोग ऐसे बैंककर्मी की तलाश में जुट गए, जो खाते खुलवाने का काम करते हैं। इनके संपर्क में आने के बाद उन लोगों ने सूरत, अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली और मध्य प्रदेश के कई शहर में चालू खाते खुलवाएं और फिर ठगी की रकम को इसमें ट्रांसफर किया जाने लगा। पुलिस की जांच में सूरत के खातों का लिंक मिला है। पुलिस अब इन सभी बैंक खातों का सत्यापन करने में जुट गई है।

पुलिस ने दागे कई सवाल : साइबर पुलिस आरोपियों से हर पहलुओं पर पूछताछ कर रही है। पूछा कि उनके साथ और कितने लोग शामिल है? किन–किन शहरों में जाल फैला है? आका से संपर्क कैसे होता है? कितने बार विदेश यात्रा की है? ठगी के पैसों को कहां खर्च किया जाता है? इन तमाम सवालों के जवाब पूछे गए। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अभी और गिरफ्तारी हो सकती है। बता दें कि पुलिस ने बीते छह जुलाई को शबीना, पटेल सुहेल मोहम्मद और अमीरद्दीन को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

अबतक करोड़ों रुपये का वारा–न्यारा

पुलिस पूछताछ में यह भी सामने आया कि शबीना ने एक–एक दिन में लाखों रुपये का ट्रांजेक्शन होता था। वह करोड़ों रुपये बिटक्वाइन में निवेश कर पैसों को दुबई अपने आका के पास भेज चुकी है। इसके लिए उसे पंद्रह से बीस फीसदी तक कमीशन मिलता था। बताया भारतीय मूल के कई युवा भी लगातार इन ठगों के संपर्क में आ रहे हैं। ये ठग ऑनलाइन नौकरी देने का झांसा देकर लोगों को अपने जंजाल में फंसाते हैं। इनका काम सिर्फ बिटक्वाइन से भारत से पैसा दुबई ट्रांसफर करना होता है।

हजारों केसों की सुनवाई रुकी, लौट रहे सैकड़ों वादकारी

इलाहाबाद हाईकोर्ट में कामकाज ठप होने से सब परेशान, बार एसोसिएशन सख्त

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज शुक्रवार को भी कामकाज ठप रहेगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन इस बार कार्य बहिष्कार के मुद्दे पर काफी अडिग और सख्त है। यही वजह है कि इलाहाबाद भ्ब बार एसोसिएशन के पदाधिकारी, सदस्य खुद निगरानी कर रहे हैं कि मजबूती से लड़ाई लड़ी जा सके। तीन दिनों से इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक भी मामले की सुनवाई न होने से हजारों केस लटक गए हैं। हालांकि जस्टिस कोर्ट आ रहे हैं, वह बैठ भी रहे हैं लेकिन उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है।

उम्मीद है कोर्ट खुले, होटल–धर्मशाला में ठहरे लोग

पूरे प्रदेश से आने वाले वादकारी वापस लौट रहे हैं। बहुत सारे वादकारी तो प्रयागराज में ही होटल, धर्मशाला में ठहर गए हैं ताकि एक दो दिन में हाईकोर्ट में सुनवाई शायद हो जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक दिन में 40 से 50 कोर्ट बैठती है। इन कोर्टों में हजारों केसों की सुनवाई होती है। सुनवाई की लंबी लिस्टिंग की वजह से महीनों तक नंबर ही नहीं लग पाता। ऐसे में जिन परिवारों के मामले हैं वह बेचौन हैं। उम्मीद कर रहे हैं कि कार्य बहिष्कार जल्द से जल्द खत्म हो जाए ताकि उनके मामलों की सुनवाई हो सके।

एक कोर्ट में ही हो जाती है 150 केसों की सुनवाई

इलाहाबाद हाईकोर्ट में यूं तो 160 न्यायाधीशों के पद हैं। हालांकि जजों की संख्या 94 के करीब ही हैज 126 की संख्या सालों से पूरी नहीं हुई। कभी 112 तो कभी 110 तक रही। कई कई कोर्ट तो ऐसी है जिनमें एक दिन में 100 से 150 केसों की सुनवाई हो जाती है। ऐसे में तीन दिन तक कोर्ट बंद रहने से क्या हाल होगा यह किसी से छिपा नहीं है। इस बार इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन व्यवस्थाओं और जजों को लेकर काफी गुस्से में है। यही वजह है कि बार एसोसिएशन के अध्यक्ष समेत पदाधिकारी खुलकर बोल रहे हैं। बदलाव के लिए वह मुखर हैं। बैठकों का दौर चल रहा है। वकीलों को पत्र लिखे जा रहे हैं।

जानिए क्या है पूरा मामला

इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने शुक्रवार को तीसरे दिन भी न्यायिक कार्य का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। यही नहीं हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने अपने अधिवक्ता सदस्यों को लेकर भी सख्ती दिखाई है। बार ने कहा कि कोई भी बार एसोसिएशन का अधिवक्ता यदि किसी केस में फिजिकल या वीडियो कांफ्रेंसिंग के मार्फत केस बहस करते हुए पकड़ा गया तो उसके खिलाफ बार एसोसिएशन कार्रवाई करेगी। साथ ही उसकी सदस्यता समाप्त कर दी जाएगी। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने गुरुवार को अपने निर्णय में न्यायाधीशों को मी लॉर्ड अथवा योर लार्डशिप का प्रयोग न करने को कहा है।

सरकारी वकीलों को लेकर भी सख्ती

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने पत्र भेजकर सरकारी वकीलों को भी कोर्ट में न जाने को कहा है। कोर्ट में पाए जाने पर सरकारी वकीलों के साथ साथ प्राइवेट वकीलों से भी हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है। यहां तक कि यूपी गवर्नमेंट के चीफ स्टैंडिंग काउन्सिल कुनाल रवि सिंह समेत कई वकीलों को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने नोटिस जारी किया है। बार एसोसिएशन की इस सख्ती के चलते वकील कोर्टों में हाजिर नहीं हो रहे हैं।

हाईकोर्ट के गेटों पर निगरानी कर रहे वकील, वादकारी परेशान

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के निर्देश पर हाईकोर्ट परिसर में प्रवेश करने वाले सभी गेटों पर वकीलों की ड्यूटी लगाई गई थी ताकि कोई भी वकील चाहे सरकारी हो अथवा गैर सरकारी किसी भी केस में बहस करने के लिए कोर्ट में हाजिर न हो सके। बार एसोसिएशन की इस सख्ती के चलते किसी भी कोर्ट में न्यायिक कार्य नहीं हो सका। वादकारियों को इस कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश के सुदूर इलाकों से न्याय पाने के लिए आए वादकारियों को आज भी वापस जाना पड़ा। वकीलों के कार्य बहिष्कार निर्णय के बाद भी जज अपने अपने कोर्ट में बैठे, परन्तु वकीलों की अनुपस्थिति के चलते वे अपने चौम्बरों में वापस चले गए।

क्या है परेशानी, कौन सी मांग

मुकदमों की सुनवाई को लेकर प्रक्रियागत परेशानी, कोर्ट में वकीलों से दुर्व्यवहार समेत कई परेशानियों का निराकरण नहीं होने से क्षुब्ध हाईकोर्ट के वकील आज न्यायिक कार्य से विरत हैं। यह निर्णय मंगलवार को हुई हाईकोर्ट बार एसोसिएशन कार्यकारिणी की आकस्मिक बैठक में लिया गया था। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल तिवारी की अध्यक्षता व महासचिव विक्रांत पांडेय के संचालन में हुई बैठक में कार्यकारिणी ने हाईकोर्ट में वकीलों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विचार–विमर्श किया गया। इनमें कही अधिवक्ताओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार, कहीं मुकदमों को रिवाइज करने की पुरानी पद्धति को न मानना, हाईकोर्ट रूल्स में बिना संशोधन मनमाने ढंग से फाइलिंग व रिपोर्टिंग की प्रक्रिया में बदलाव करना, एडवोकेट रोल से संबंधित मांगे गए डाटा को देने से इनकार करने से क्षुब्ध होकर सर्वसम्मति से न्यायिक कार्य से विरत रहने का निर्णय लिया गया था। शुक्रवार को वकीलों के कार्य बहिष्कार का तीसरा दिन रहेगा।

अध्यक्ष ने क्या कहा

आम जनता पीड़ित है। अपका फर्ज है। आपने शपथ ली आप डिसाइड करो, वकील नहीं पहुंचा क्यों नहीं पहुंचा उसका कारण आप हो, हम नहीं हैं। जजेज खुदा बनने से पीछे हटें और इंसान बनकर न्याय करें। हम वकीलों से रिक्वेस्ट करेंगे कि जब अदालत खुले तो जजों को मी लार्ड कहना बंद करें। अनिल तिवारी, अध्यक्ष इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन

हनुमान मंदिर कॉरिडोर के निर्माण की प्रमुख सचिव ने देखी हकीकत, निर्माण कार्यों की परखी गुणवत्ता

प्रयागराज। महाकुंभ को अविस्मरणीय बनाने के लिए अस्थाई और स्थाई परियोजनाओं को समय से पूरा कराने के लिए शासन गंभीर हो गया है। कई परियोजनाओं के पिछड़ने और कुंभ से पहले पूर्ण करने में हाथ खड़े किए जाने के बाद प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात दो दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे हैं। उन्होंने एयरपोर्ट रोड से लेकर संगम स्थित हनुमान मंदिर कॉरिडोर तक की हकीकत रात को ही देखी। शुक्रवार को वह मंडलायुक्त के गांधी सभागार में महाकुंभ की परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुंभ के कार्यों की गति देखने आ सकते हैं। प्रमुख सचिव देर शाम यहां पहुंचने के बाद सीधे एयरपोर्ट रोड देखने निकल पड़े। पीडब्ल्यूडी की ओर से संगम को को जोड़ने के लिए बनाई जा रही इस सड़क की प्रगति के बारे में उन्होंने अफसरों से पूछा। कुंभ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने एयरपोर्ट रोड के कायाकल्प की योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस रोड के बनने के बाद एयरपोर्ट से संगम तक मात्र 40 मिनट में पहुंचा जा सकेगा। प्रमुख सचिव ने वहां हरियाली के विकास के साथ ही चौराहों पर इंस्टॉलेशन इस प्रकार लगाने के निर्देश दिए, जिससे कि दोनों तरफ दृश्यता बनी रहे और हादसों की आशंका रंचमात्र के लिए भी न रह जाए। इसके बादउन्होंने सिक्स लेन पुल का भी जायजा लिया। अफसरों ने वहां बनने वाले स्टील ब्रिज के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

संक्षिप्त

सेंसेक्स 996 अंक की छलांग के साथ पहली बार 90 हजार के करीब

मुंबई। आईटी शेयरों में भारी खरीदारी के बीच शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गए। बीएसई का 30 शेयर वाला सूचकांक सेंसेक्स 996.17 अंक उछलकर 80,893.51 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। एनएसई निफ्टी 276.25 अंक की बढ़त के साथ 24,592.20 अंक के नए रिकॉर्ड स्तर पर रहा। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में से देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का शेयर करीब छह प्रतिशत चढ़ा। इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक और बजाज फाइनेंस के शेयर भी फायदे में रहे। मारुति, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स और आईटीसी के शेयरों को नुकसान हुआ। एशियाई बाजारों में हांगकांग का हैंगसेंग तथा चीन का शंघाई कम्पोजिट फायदे में रहे जबकि, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.59 प्रतिशत की बढ़त के साथ 85.90 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में बृहस्पतिवार को बिकवाल रहे और शुद्ध रूप से 1,137.01 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर बेचे।

मैजिकपिन ने एक साल में 1,000 से अधिक बड़े ब्रांड अपने साथ जोड़े

नयी दिल्ली। ई–वाणिज्य कंपनी मैजिकपिन ने एक साल में 1,000 से अधिक बहुनगरीय और बहुराष्ट्रीय उपभोक्ता ब्रांड को अपने साथ जोड़ा है। कंपनी बयान के अनुसार, मैजिकपिन को करीब 2,000 ब्रांड जोड़ने में चार साल का समय लगा, लेकिन केवल पिछले साल में उसने 1,000 से अधिक ब्रांड से हाथ मिलाया। मैजिकपिन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं सह–संस्थापक अंशु शर्मा ने एक बयान में कहा, '' हमारे लिए

पिछले 12 महीने अभूतपूर्व रहे हैं... ब्रांड तथा व्यापारियों के मामले में 100 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। हमारे मंच पर 1000 से अधिक नए ब्रांड और 75,000 से अधिक स्थानीय व्यापारियों का स्वागत किया गया।'' कंपनी ने जून 2024 को समाप्त 12 महीने की अवधि में फैशन, त्वरित खुदरा सेवा और 'फाइन डाइन' श्रेणी में नए ब्रांड जोड़े हैं। नए ब्रांड में बर्गर किंग, डोमिनोज़, टैकोबेल, मैकडॉनल्ड्स, फासोस, सबवे, बेहरोज़ बिरयानी, मेघना बिरयानी, ट्रफल्स, चायोस, यूएस पोलो एसोसिएशन, लुई फिलिप, प्यूमा, वैन ह्यूसेन, ली कूपर आदि शामिल हैं।

अब अमेजन पे के जरिये खरीद सकते हैं दिल्ली मेट्रो का क्यूआर टिकट

नयी दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के यात्री अब ऑनलाइन भुगतान मंच अमेजन पे के जरिये अपने मोबाइल फोन पर क्यूआर टिकट ले सकते हैं। इसके लिए दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने अमेजन पे के साथ साझेदारी की बृहस्पतिवार को घोषणा की। इसके लिए ग्राहक को अमेजन पे टैब के तहत दिल्ली मेट्रो क्यूआर टिकट का विकल्प चुनना होगा। फिर उन्हें कहां से और कहां तक जाने

वाले स्टेशनों का चयन करना होगा। वे ऑनलाइन भुगतान कर अपने मोबाइल फोन पर फौरन ही क्यूआर टिकट हासिल कर सकते हैं। अधिकारियों ने कहा कि इस अनूठी टिकट व्यवस्था की मदद से यात्री चलते–फिरते हुए मेट्रो का टिकट खरीद सकते हैं। यह दिल्ली मेट्रो से रोजाना सफर करने वाले लाखों उपयोगकर्ताओं के लिए एक त्वरित, संपर्क–रहित और परेशानियों से मुक्त करने वाला अनुभव प्रदान करता है। अधिकारियों के मुताबिक, यात्रियों को मेट्रो स्टेशनों पर घुसने और निकलने के लिए स्वचालित किराया संग्रह (एएफसी) द्वार पर अपने स्मार्टफोन को क्यूआर कोड स्कैनर के सामने रखना होगा। डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक विकास कुमार ने इस मौके पर कहा, क्यूआर टिकट के लिए अमेजन पे के साथ साझेदारी करने से दैनिक यात्राएं अधिक कुशल और सुविधाजनक हो जाएंगी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय युवा ब्रिगेड की नजरें सीरीज जीतने पर होंगी

भारतीय क्रिकेट की युवा ब्रिगेड जिम्बाब्वे के खिलाफ शनिवार को चौथे टी20 मैच के जरिये सीरीज अपने नाम करके एक नये दौर का आगाज करने के इरादे से उतरेगी। पहले मैच में अप्रत्याशित हार के बाद शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा और तीसरा मैच भारी अंतर से जीतकर 2–1 से बढत बना ली है। मौजूदा क्रिकेट परिदृश्य में जिम्बाब्वे पर जीत बहुत बड़ी नहीं कही जायेगी लेकिन इससे उन युवाओं में उम्मीद जरूर पैदा होगी जो आधुनिक क्रिकेट के कुछ दिग्गजों के संन्यास के बाद भारतीय टीम में जगह बनाने की कोशिश में हैं। इनमें वॉशिंगटन सुंदर और अभिषेक शर्मा शामिल हैं। टी20 क्रिकेट से रविंद्र जडेजा के संन्यास के बाद वॉशिंगटन की नजरें स्पिन हरफनमौला के रूप में टीम में जगह पक्की करने पर लगी है। जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने 4–5 की इकॉनॉमी रेट से छह विकेट लिये। श्रीलंका दौरे के लिये सफेद गेंद की टीम चुनते समय उनके नाम पर विचार जरूर होगा। उपयोगी स्पिन गेंदबाज होने के साथ वह निचले क्रम के अच्छे बल्लेबाज भी हैं। वहीं अभिषेक ने दूसरे टी20 में 47 गेंद में शतक लगाकर अपनी प्रतिभा की बानगी पेश की। भारत के पास अब इस प्रारूप में विराट कोहली और रोहित शर्मा नहीं हैं लिहाजा वह यशस्वी जायसवाल के साथ पारी की शुरूआत काविकल्प हो सकते हैं। वह एक और अच्छी पारी खेलकर अपना दावा पक्का करना चाहेंगे। संजू सैमसन और शिवम दुबे के लिये भी इस सीरीज में बहुत कुछ दांव पर है। टी20 विश्व कप में खिताबी जीत के बाद मुंबई में विजय परेड में भाग लेकर यहां आये दुबे और सैमसन बाकी दोनों मैचों में उम्दा प्रदर्शन करना चाहेंगे। भारतीय टीम प्रबंधन अपने गेंदबाजों खासकर लेग स्पिनर रवि बिश्नोई के प्रदर्शन से खुश होगा जिसकी गुगली मेजबान बल्लेबाज खेल ही नहीं पा रहे हैं। बिश्नोई, आवेश खान और वॉशिंगटन छह–छह विकेट ले चुके हैं। मुकेश कुमार को पिछले मैच में आराम दिया गया था जो आवेश की जगह खेल सकते हैं। दूसरी ओर पहला मैच जीतने के अलावा जिम्बाब्वे ने इस सीरीज में कुछ उल्लेखनीय नहीं किया है। उसके तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजाराबानी और अर्धशतक जमाने वाले डियोन मायर्स के अलावा कोई खिलाड़ी छाप नहीं छोड़ सका है।

टीमें इस प्रकार हैं–

भारत : शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, अभिषेक शर्मा, रूतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, मुकेश कुमार, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, खलील अहमद, तुषार देशपांडे।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा (कप्तान), फराज अकरम, ब्रायन बेनेट, जोनाथन कैंपबेल, टेंडाइ चतारा, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट केइया , क्लाइव एम, वेसली मेदेवेरे, टी मारूमानी, वेलिंगटन मसाकाजा, ब्रेंडन मावुता, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डियोन मायर्स , एंटम नकवी, रिचर्ड एंगारावा, मिल्टन शुम्बा। मैच का समय : शाम 4.30 से।

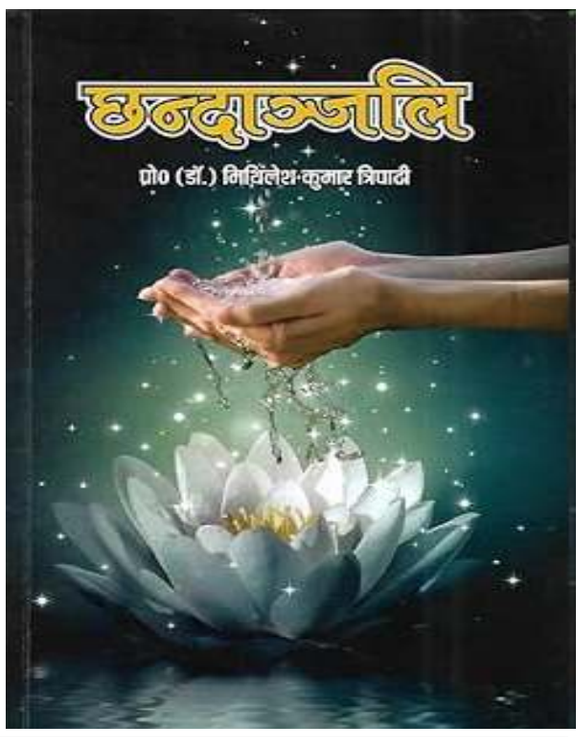

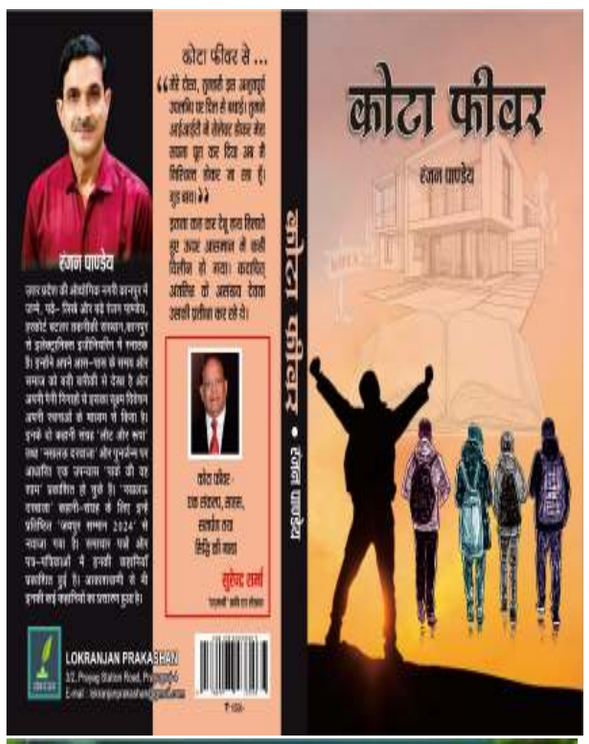

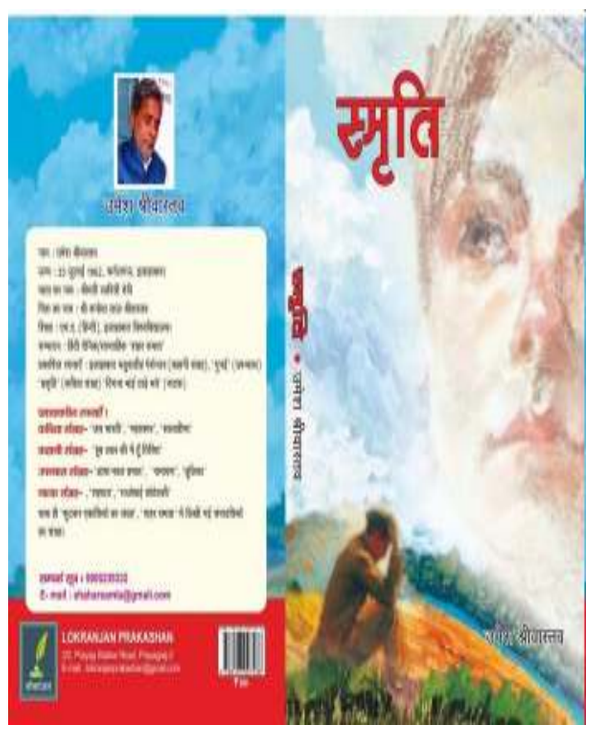

एस. लाल एण्ड सन्स मेडिकल्स
OPD
नेत्र रोग विशेषज्ञ
डा. आर.के. श्रीवास्तव
समय - 10 बजे से 1 बजे तक,
दिन - सोमवार, मंगलवार, शुक्रवार, (निःशुल्क परामर्श - शनिवार, रविवार)
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. शिखा माथुर
प्रतिदिन - दोपहर 1 से 3 बजे तक
जनरल फिजिशियन
डा. कार्तिकेय
समय - शाम 4 बजे से 8 बजे तक । दिन - प्रतिदिन
पता - 18B, म्योर रोड, जहाज चौराहा, प्रयागराज
Mob.: 9151121918, 9140445768

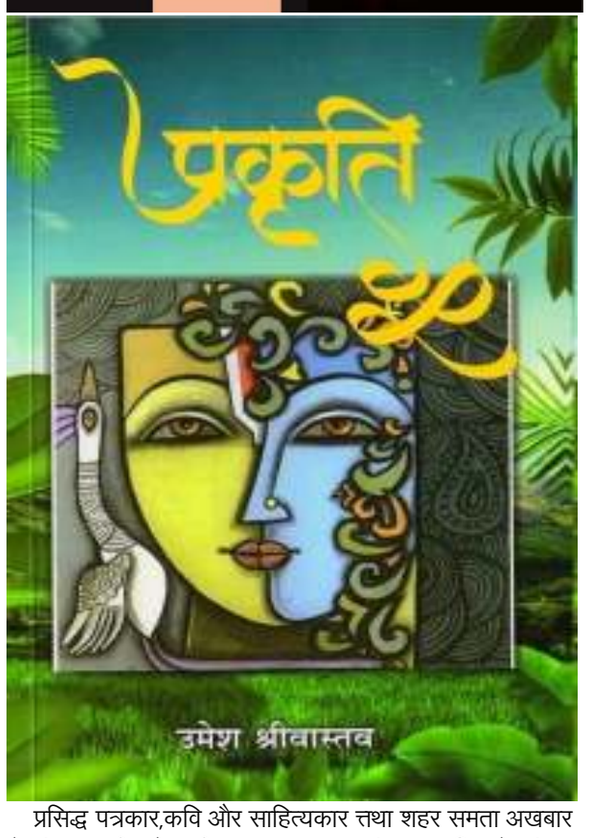

प्रसिद्ध पत्रकार,कवि और साहित्यकार त्तथा शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव का काव्य संग्रह ष्प्रकृतिष् लोकरंजन प्रकाशन द्वारा प्रकाशित किया गया है और अमेजन पर उपलब्ध है।

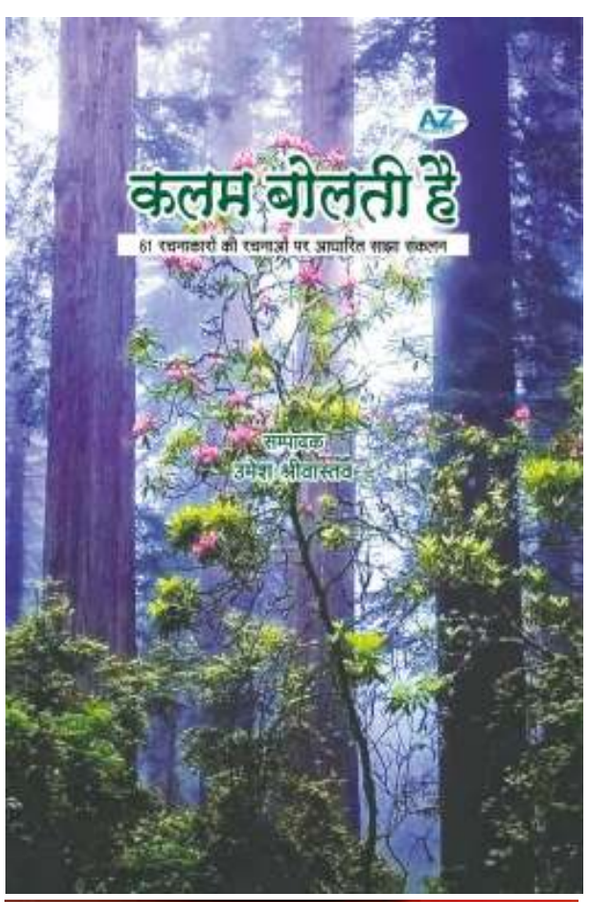

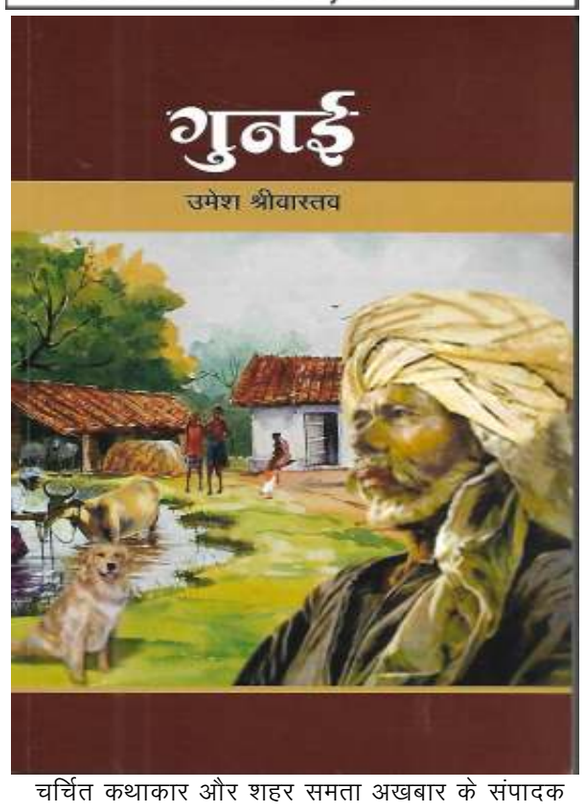

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

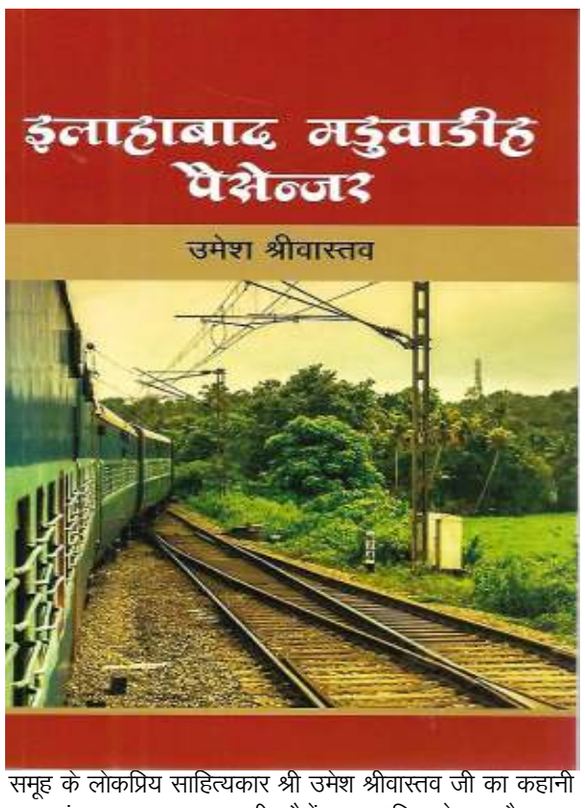

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

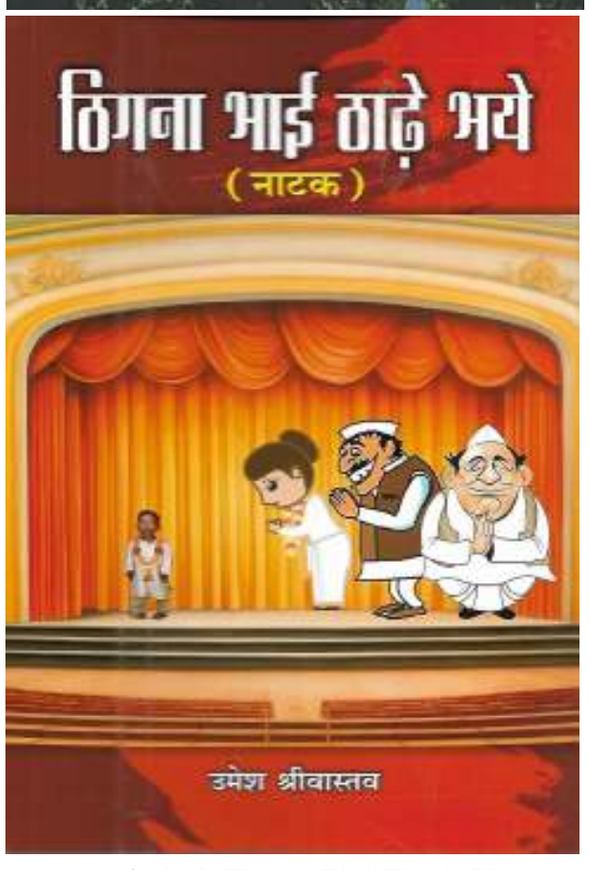

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

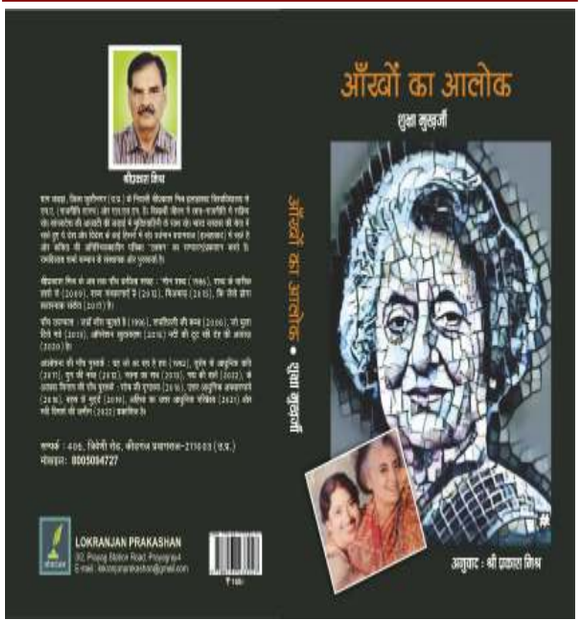

सम्पादकीय.....

कोर्ट की सार्थक पहल

यह विडंबना ही है कि कुदरती वजह या किसी हादसे के चलते शारीरिक अपूर्णता के शिकार लोगों के प्रति भारतीय समाज में कमोबेश सम्मानजनक व्यवहार नहीं किया जाता रहा है। हालांकि, अब स्थितियों में बदलाव आया है। अब उन्हें एक सम्मानजनक नाम दिव्यांग देने का प्रयास किया गया है। लेकिन परंपरागत समाज में उनके उपहास व उपेक्षा का भाव अब भी किसी न किसी रूप में सामने आ जाता है। यही वजह है कि इस दिशा में देश की शीर्ष अदालत को सार्थक पहल करनी पड़ी है। सुप्रीम कोर्ट ने, फिल्मों व मीडिया के अन्य दृश्य माध्यमों में दिव्यांगों को कैसे चित्रित किया जाना है, उसके नियमन के लिये दिशा–निर्देश जारी करने की स्वागत योग्य पहल की है। इस रचनात्मक पहल का मकसद दिव्यांगों के प्रति रूढ़िवादी सोच को दूर करना है। इस ऐतिहासिक फैसले में इस बात को रेखांकित किया गया है कि शारीरिक अपूर्णता वाले लोगों को अपमानित करने तथा हाशिये पर ले जाने वाली भाषा पर पूरी तरह रोक लगनी चाहिए। दरअसल, ऐसी सोच दिव्यांगों की सामाजिक सक्रियता की कोशिशों में बाधा उत्पन्न करती है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने दिव्यांगों के लिये प्रामाणिक और सम्मानजनक प्रतिनिधित्व वाली दृश्य–श्रव्य रीति–नीति का निर्देश दिया है। उन्होंने उस रूढ़िवादी सोच के खात्मे पर बल दिया जो उनमें हीनता का भाव भरती हो। उनका कहना था कि लोगों ने अपने मनोरंजन के लिये शारीरिक रूप से अपूर्ण लोगों पर तमाम चुटकुले बनाए हैं। दरअसल, नियामक व्यवस्था में दिव्यांगों की भागीदारी न होने के कारण ऐसी सोच का समय रहते प्रतिकार नहीं हो सका है। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश का संदेश साफ था कि दिव्यांगों के प्रति संवेदनशील व्यवहार उन्हें समझने में मदद करता है,लेकिन यदि शारीरिक अपूर्णता को हास्य का विषय बनाया जाता है तो इससे उनका मनोबल प्रभावित होता है। निश्चित रूप से देश की शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश ने एक ज्वलंत विषय की ओर पूरे राष्ट्र का ध्यान खींचा है।यह प्रशंसनीय है कि शारीरिक अपूर्णता के चलते तमाम तरह के कष्ट झेल रहे दिव्यांगों के प्रति समाज के संवेदनशील व्यवहार की ओर शीर्ष अदालत ने ध्यान दिलाया है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने उचित ही निष्कर्ष निकाला है कि रचनात्मक स्वतंत्रता के ये मायने कदापि नहीं होते कि पहले से हाशिये पर मौजूद लोगों का उपहास किया जाए, उन्हें रूढ़िवादी सोच का शिकार बनाया जाए, उनको लेकर गलत बयानबाजी की जाए। कुल मिलाकर उनको अपमानित करने की आजादी किसी को नहीं दी जा सकती। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि शारीरिक अपूर्णता वाले दिव्यांगों को अपंग व ऐसे अन्य अपमानजक शब्दों से आहत करने की इजाजत किसी को नहीं दी सकती है। दरअसल, उनको लेकर समाज में व्याप्त रूढ़िवादी सोच को बदलने की जरूरत है। अब फिल्म निर्माताओं का भी दायित्व है कि फिल्मों का निर्माण करते वक्त ऐसे हास्यबोध वाले चित्रण से गंभीरता के साथ परहेज किया जाए। कैमरे के जरिये उनका ऐसा चित्रण होना चाहिए जिससे समाज में उनके प्रति संवेदनशील, समावेशी सोच और यथार्थवादी रवैया अपनाया जाए। शीर्ष अदालत के दिशा–निर्देशों में संविधान द्वारा प्रदत्त, भेदभाव–मुक्त व गरिमा को प्रतिष्ठित करने वाले प्रावधानों के अनुरूप दिव्यांगों की छवि बनाने पर बल दिया गया। जो कि दिव्यांगों के अधिकारों के लिये बने वर्ष 2016 के अधिनियमों के अनुरूप ही है। दरअसल, कानून सदा से समाज में दिव्यांगों के अधिकार व सम्मान–रक्षा को संबल देना चाहता रहा है। हालांकि, यह स्पष्ट है कि दिव्यांगों का समाज में अपना उचित स्थान प्राप्त करने का संघर्ष लगातार बना हुआ है। उनके लिये आज भी समाज में रोजगार के पर्याप्त अवसरों का उपलब्ध न होना, पदोन्नति, प्रशिक्षण तक पर्याप्त पहुंच न होने, व्यावसायिक अलगाव, सार्वजनिक स्थलों व आफिसों में दिव्यांगों के लिये शौचालयों का न होना तथा कार्यालयों में व्यवस्था उनकी सुविधा के अनुरूप न होना वक्त की नग्न हकीकत है। निश्चित रूप से उन्हें एक सक्षम वातावरण प्रदान करके ही हम दिव्यांगों का सशक्तीकरण कर सकते हैं। फिल्म व अन्य दृश्य माध्यमों में उन्हें सकारात्मक ढंग से प्रस्तुत करना, उनके मनोबल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम कहा जा सकता है।

मुस्लिम महिलाओं को सुप्रीम राहत

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि कोई भी महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारे भत्ते के अपने कानूनी हक का इस्तेमाल कर सकती है– उसका धर्म कोई भी हो। अब्दुल समद नामक व्यक्ति ने तेलंगाना हाईकोर्ट के गुजारा भत्ते सम्बन्धी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को दिये एक महत्वपूर्ण फैसले में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता पाने का हकदार बताया है। इससे देश की उन लाखों महिलाओं को बड़ी राहत मिलेगी जो तलाकशुदा हैं परन्तु जीवन यापन के लिये संघर्ष कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि कोई भी महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारे भत्ते के अपने कानूनी हक का इस्तेमाल कर सकती है– उसका धर्म कोई भी हो। अब्दुल समद नामक व्यक्ति ने तेलंगाना हाईकोर्ट के गुजारा भत्ते सम्बन्धी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। समद ने दलील दी थी कि उसकी पत्नी मुस्लिम होने के नाते सीआरपीसी की धारा 125 के अंतर्गत याचिका दायर करने की हकदार नहीं है। उसकी दलील थी कि यह मामला मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 के अंतर्गत ही सुना जाना चाहिये। जस्टिस बीवी नागरत्ना एवं जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने इसी मामले की सुनवाई देते हुए उपरोक्त फैसला सुनाया है। कोर्ट को यही तय करना था कि यह मामला सीआरपीसी की धारा 125 के अंतर्गत चले या फिर मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 के तहत। हालांकि जस्टिस नागरत्ना एवं जस्टिस मसीह की बेंच ने अपने निर्णय अलग–अलग सुनाये परन्तु दोनों की राय एक ही थी। बेंच ने यह भी माना कि मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 धर्मनिरपेक्ष कानून को स्थानापन्न नहीं कर सकता। मुस्लिम महिलाएं भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के अंतर्गत याचिका दायर करने का अधिकार रखती हैं। इस मामले में स्थिति यह है कि ज्यादातर मामलों में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता नहीं मिल पाता। मिलता भी है तो इद्दत्य की अवधि तक। यह एक इस्लामिक परम्परा है जिसके अनुसार तलाक होने पर अथवा पति की मृत्यु हो जाने की स्थिति में वह महिला इद्दत की अवधि तक दूसरी शादी नहीं कर सकती। यह अवधि तकरीबन 3 माह तक होती है। इसके बाद पत्नी दूसरा ब्याह कर सकती है। उल्लेखनीय है कि मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 में गुजारे भत्ते के प्रावधान वैसे विस्तृत नहीं हैं जैसे कि भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत किये गये हैं। धारा 125 पिता, पति या बच्चों पर आश्रित सभी महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित करता है। जब उसके पास आजीविका का कोई अन्य साधन न हो तो वह इस धारा के अंतर्गत गुजारे भत्ते की मांग कर सकती है। अनेक मामलों में यह एक मील का पत्थर साबित होने वाला निर्णय है। मामला चाहे एक मुस्लिम महिला से सम्बन्धित हो परन्तु नजीर बनने के बाद इसके जरिये बड़ी संख्या में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के जीवन यापन की राह खुलेगी। देश में इस अल्पसंख्यक समुदाय की जो आर्थिक हालत है वह किसी से छिपी नहीं है। तलाक का नियम अपेक्षाकृत सरल होने से तलाकशुदा महिलाओं की संख्या काफी है। यह तो सही है कि उनके पुनर्विवाह की राह भी अनेक कई समुदायों के मुकाबले अधिक सरल है लेकिन जहां तक गुजारे भत्ते की बात है तो उन्हें बहुत सी दिक्कतें आती हैं जो फिर से विवाह नहीं करतीं। बच्चों का जीवन संवारना उनके लिये बहुत कठिन हो जाता है।धारा 125 के अंतर्गत मिलने वाला संरक्षण जहां एक ओर उन्हें जीवन यापन के लिये आवश्यक भत्ते की राशि का मार्ग प्रशस्त करेगा वहीं बच्चों एवं अन्य हकदार सदस्यों के लिये भी राहत लेकर आयेगा। इससे दोबारा शादी की अनिवार्यता भी ऐसी महिलाओं के लिये जरूरी नहीं रह जायेगी। सम्भव है कि बड़ी संख्या में ऐसी भी तलाकशुदा महिलाएं होंगी जो फिर से विवाह तो नहीं करना चाहती होंगी लेकिन अपने जीवन को गुजारने के लिये जरूरी वित्तीय बन्दोबस्त करने का दबाव उन्हें ऐसा करने पर मजबूर करता होगा। ऐसे ही, तलाकशुदा दम्पति के बच्चों को भी उनका जीवन गुजारने के लिये जरूरी वित्तीय मदद मिल सकेगी। ऐसे ही, ये महिलाएं गुजारे भत्ते को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देख सकेंगी एवं उसके लिये मांग भी कर सकेंगी। अक्सर गुजारे भत्ते को केवल पति–पत्नी के बीच के मसले या फिर तलाक के मामले के एक पहलू के रूप में ही देखा व जाता है। ऐसा नहीं है कि महिलाओं के समक्ष उनके अपने जीवन में केवल पति से या फिर तलाक के बाद ही इसका हक और जरूरत होती है। जैसा कि ऊपर बतलाया गया है, वे पिता से या फिर बच्चों से भी इसकी मांग कर सकती हैं जिन पर वे आश्रित होती हैं। जो अविवाहित महिलाएं अपने पिता के घर में दिन गुजारती हैं, उन्हें अक्सर इस तरह के गुजारे भत्ते से वंचित रखा जाता है। सम्पत्ति के अधिकार से तो उन्हें अलग किया ही जाता है। ऐसे ही बुढ़ापे में, खासकर पति की मृत्यु के बाद जब वे अपने बच्चों पर पूर्णतः आश्रित होकर रहती हैं, तब भी उन्हें इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है। उन्हें अपने खर्चों के लिये कोई पैसे नहीं मिलते और उनके हाथ अक्सर खाली ही रहते हैं। इसलिये कहा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस मायने में बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को राहत तो मिलेगी ही, भरण–पोषण सम्बन्धी उनके अधिकारों के क्षितिज का और भी विस्तार होगा। पति के अलावा जिनसे वे गुजारा भत्ता पाने की अधिकारी हैं, उन्हें भी वह पाने के लिये न्यायपालिका का रास्ता अख्तियार करेंगी। पति के अलावा पिता एवं बच्चों से गुजारा भत्ता पाने का भी वे हौसला पा सकेंगी जो अब तक उसके लिये दूर की कौड़ी है। हालांकि इस मामले में सभी समुदायों की महिलाओं को जागना होगा।

विकास और आत्मविश्वास के ट्रेलर का सच

सर्वमित्रा सुरजन

2014 से पहले हम निराशा की गर्त में डूबे हुए थे। हर तरफ हताशा और निराशा का माहौल था, लेकिन आज देश आत्मविश्वास से भरा हुआ है। नरेन्द्र मोदी के भाषण की ये पंक्तियां किसी चुनावी मंच से नहीं कही गई हैं, बल्कि रूस में भारतीय समुदाय के बीच श्री मोदी ने बतौर भारत के प्रधानमंत्री ने जो भाषण दिया, उसमें इस तरह की बात कही। श्री मोदी ने ये भी कहा कि श्चुनावों के दौरान मैंने कहा था कि– पिछले 10 सालों में भारत ने जो विकास किया है, वह तो सिर्फ एक ट्रेलर है। आने वाले 10 साल और भी तेजी से विकास के होने वाले हैं। भारत की नयी गति, दुनिया के विकास का नया अध्याय लिखेगी। रस्सी जल गई बल नहीं गए, इसी को कहते हैं। 2024 के चुनाव परिणाम ने बता दिया कि भाजपा जनता के जिस विश्वास और समर्थन के दावे किया करती थी, वो गलत साबित हुए। भाजपा सत्ता में आ तो गई है, लेकिन जदयू और तेदेपा के समर्थन के कारण आई है और अगर किसी वजह से इन दोनों दलों में से किसी एक ने भी अपना हाथ सरकार से वापस खींच लिया, उसी दिन सरकार संकट में आ जाएगी। लेकिन नरेन्द्र मोदी देश से लेकर विदेश तक अपनी जीत को असलियत से बड़ा बताने में लगे हुए हैं। देश में विकास के दावे भी कुछ इसी अंदाज में श्री मोदी कर रहे हैं। 10 सालों के विकास को वे ट्रेलर बता रहे हैं, और आने वाले दस सालों के विकास की बात कर रहे हैं। इस तरह नरेन्द्र मोदी ये मानकर चल रहे हैं कि 2029 के चुनावों में भी उन्हें ही प्रधानमंत्री बनने का मौका मिलेगा। हालांकि उन्हें पहले अपने शासन में विकास के ट्रेलर को देख लेना चाहिए। ट्रेलर में तो यही नजर आ रहा है कि 2016 में हुई नोटबंदी, फिर जीएसटी के लागू होने और उसके बाद 2020 में कोविड के कारण देश के अनौपचारिक क्षेत्र को 11.3 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। साथ ही 1.6 करोड़ नौकरियां खत्म हुई हैं। देश में बेरोजगारी फिर से बढ़ गई है और महंगाई भी चुनावों के बाद से लगातार बढ़ ही रही है। आने वाली 23 जुलाई को जब एनडीए सरकार का पहला बजट पेश होगा, तब सरकारी खजाने से लेकर सरकार की नीयत तक सबका खुलासा हो ही जाएगा। लेकिन फिलहाल जिस तरह खाद्य साम्रगियों से लेकर मोबाइल का इस्तेमाल तक सब महंगा हो गया है, उस से विकास के ट्रेलर और पूरी पिक्चर का अंदाजा लग जाता है। भाजपा नेताओं के लिए यह महंगाई शायद मजाक का विषय है। इसलिए एक बार निर्मला सीतारमण संसद में कह चुकी हैं कि हमारे घर में प्याज नहीं खाई जाती, और अब उत्तरप्रदेश में कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि कहीं भी दाल सौ रूपए किलो से ज्यादा में नहीं बिकती। भाजपा के नेता जानते हैं कि वे गलत कह रहे हैं और खाद्य सामग्री को सस्ता बताने के उनके दावे गरीबों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसे हैं, क्योंकि इससे उनकी समस्या तो सुलझती नहीं, तकलीफ अलग होती है कि सरकार हकीकत से कितनी बेपरवाह है। प्रधानमंत्री मोदी भी इसी बेपरवाही की मिसाल बार–बार देते हैं। मणिपुर से लेकर महंगाई तक उनके सारे दावे बेकार हैं, इस बात को वे भी समझते हैं, फिर भी लोगों को भटकाने के लिए बड़ी–बड़ी बातें करते हैं। भारतीयों में नए आत्मविश्वास की बात करने वाले श्री मोदी क्या इस कड़वी सच्चाई को नहीं जानते कि अच्छे संस्थाओं ने दाखिले के न होने, परीक्षा के पर्चे लीक होने, बेरोजगारी या कर्ज के कारण छात्रों से लेकर किसानों और उद्यमशील लोगों तक में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। कहीं पति–पत्नी बेरोजगारी के कारण जान दे रहे हैं, कहीं बाप–बेटे एक साथ रेल के सामने आ कर मौत को गले लगा रहे हैं। ये खबरें पुलिस थानों के रोजनामचों में तो दर्ज हो कर गुम हो जाया करती हैं, बहुत हुआ तो इनसे जुड़े लोग दो–चार दिन इन पर चर्चा कर लेते हैं, लेकिन जब तक ये सरकार के लिए चर्चा का विषय नहीं बनेंगी, तब तक आत्मविश्वास और विकास को लेकर लफ्फाजी के लिए जगह बनती रहेगी। हैरानी की बात यह है कि 10 साल तक लगातार सत्ता में रहकर भी नरेन्द्र मोदी भारत की जमीनी हकीकत से कितने दूर हैं। 2014 में जब भाजपा ने 10 सालों के यूपीए शासन को खत्म करने में कामयाबी हासिल की थी, तो उसके बाद नरेन्द्र मोदी समेत तमाम भाजपा नेताओं में अति आत्मविश्वास भर जाना स्वाभाविक था। इसी अतिआत्मविश्वास के चलते नरेन्द्र मोदी ने मई 2015 में द.कोरिया के सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा था कि– एक समय था जब लोग कहते थे– पता नहीं पिछले जन्म में क्या पाप किया है हिंदुस्तान में पैदा हो गए, ये कोई देश है! ये कोई सरकार है! ये कोई लोग हैं! चलो छोड़ो, चले जाओ कहीं और। और लोग निकल पड़ते थे, कुछ वर्षों में हम ये भी देखते थे, उद्योग जगत के लोग कहते थे कि अब तो यहां व्यापार नहीं करना चाहिए, अब यहां नहीं रहना है। और ज्यादातर लोगों ने तो एक पैर बाहर भी रख दिया था। मैं इसके कारणों में नहीं जाता हूं। और न ही मैं कोई राजनीतिक टीका–टिप्पणी करना चाहता हूं।लेकिन यह धरती की सच्चाई है कि लोगों में एक निराशा थी, आक्रोश भी था। और मैं आज विश्वास से कह सकता हूं कि अलग–अलग जीवन क्षेत्रों के गणमान्य लोग बड़े–बड़े साइंटिस्ट क्यों न हो, विदेशों में ही कमाई क्यों न होती हो उससे कम कमाई होती हो तो भी आज भारत वापस आने के लिए उत्सुक हो रहे हैं, आनंदित हो रहे हैं। यह आश्चर्य की बात है कि सत्ता संभालने के साल भर के भीतर ही श्री मोदी को अपने शासन की कामयाबी पर इतना यकीन था कि उन्होंने यह मान लिया था कि विदेश में रह रहे भारतीय देश वापस आने को उत्सुक हो रहे हैं। हालांकि वतन वापसी की यह उत्सुकता जमीन पर तो नदारद ही दिखी और इसकी पुष्टि सरकार के आंकड़े से ही हो जाती है। 2015 में जब नरेन्द्र मोदी यह सब कह रहे थे, उसी साल 1,31,489 लोगों ने देश की नागरिकता छोड़ दी और दूसरे देशों में जाकर बस गए। यह सिलसिला आने वाले बरसों में भी रुका नहीं। जुलाई 2022 के मानसून सत्र में मोदी सरकार ने बीते तीन साल में भारतीय नागरिकता छोड़ने वालों का जो आंकड़ा पेश किया था। उसके मुताबिक करीब 4 लाख नागरिकों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी थी। वहीं 2023 में बताया गया था कि पिछले 12 सालों यानी 2011 से लेकर 2023 तक करीब 16 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी। अच्छी नौकरी, बेहतर जीवन स्तर, सामाजिक सुरक्षा और सम्मान, व्यवसाय की सुविधा, पढ़ाई, इलाज बहुत से कारण हैं, जिनकी वजह से भारतीयों के देश छोड़कर जाने का सिलसिला बढ़ रहा है। एनआरआई का दर्जा पाकर अपनी ऊंची हैसियत पर इठलाने वाले ये भारतीय विदेशों में 15 अगस्त या क्रिकेट में जीत के मौकों पर गाहे–बगाहे तिरंगा लहराकर अपनी देशभक्ति के प्रदर्शन से पीछे नहीं रहते हैं। लेकिन भारत से इनका प्यार दूर–दूर से ही है, सात समंदर पार कर देश में रहकर ये अपनी राष्ट्रभक्ति नहीं दिखलाना चाहते। कमाल ये है कि जब नरेन्द्र मोदी विदेश पहुंचते हैं, तो विदेशी धरती पर भारतीय नृत्य–संगीत और माथे पर तिलक लगवाकर गदगद हो जाते हैं कि भारतीय अपनी परंपरा को विदेश में जिंदा रखे हुए हैं। इन्हीं भारतीयों के बीच श्री मोदी भारत के विकास और 2014 के बाद जागे आत्मविश्वास की बात भी करते हैं। लेकिन इस आत्मविश्वास को साबित करने कहा जाए तो न नरेन्द्र मोदी इन भारतीयों से कह सकते हैं कि अब तो देश मैं संभाल रहा हूं, तो चलो आप लोग वहीं बस जाओ, मेरे साथ मिलकर देश का विकास करो। न ये भारतीय बड़ी मशक्कत से हासिल अपनी विदेशी नागरिकता को छोड़कर भारत आकर बसने को तैयार होंगे। इन्हें दोनों हाथों में लड्डू चाहिए। और नरेन्द्र मोदी अपने भाषण से विदेश में बसे भारतीयों को दोनों हाथों में लड्डू का अहसास करवाते भी हैं, लेकिन देश में 5 किलो राशन के लिए लाइन में लगने वाले 80 करोड़ गरीब, लाखों बेरोजगार और करोड़ों पीड़ित लोग जानते हैं कि जन्नत की हकीकत क्या है।

गांधी के विचारों की अहमियत

भारत डोगरा

अनेक वैश्विक समस्याओं के बीच भारत को अपना मार्ग बहुत सावधानी से खोजना है। इस प्रयास में महात्मा गांधी की सोच आज भी बहुत महत्वपूर्ण मार्ग–दर्शक की भूमिका निभा सकती है। महात्मा गांधी की सोच के मूल सिद्धान्त हैं – सत्य व अहिंसा, सादगी व समता, अन्याय के विरुद्ध दृढ़, पर अहिंसक संघर्ष, सभी धर्मों के प्रति सम्मान, किसी समुदाय के प्रति भेदभाव न करना, अर्थनीति में निर्धन वर्ग की भलाई को उच्चतम प्राथमिकता देना, विकेन्द्रित, आत्मनिर्भर व आपसी सहयोग से हुए ग्रामीण विकास को अधिक महत्व देना। यदि समकालीन संदर्भ में इन सिद्धान्तों को प्रतिष्ठित किया जाए तो देश ही नहीं पूरी दुनिया की बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा मिल सकती है। इसके लिए इन सिद्धान्तों को समकालीन संदर्भ में भली–भांति समझना और प्रतिबद्धता से उन पर चलना होगा। यह एक बहुत रचनात्मक मार्ग है। इसमें तरह–तरह की प्रसन्नता व उत्साह देने वाली उपलब्धियां हैं, पर साथ में शक्तिशाली स्वार्थों का सामना करने की चुनौतियां और कठिनाईयां भी हैं। बड़ी बात यह है कि केवल कहने के स्तर पर या कागजी स्तर पर इस सोच को अपनाने से कुछ प्राप्त नहीं होगा, वास्तविकता और निरंतरता से इसे अपनाना होगा। यदि एक गांव के स्तर पर ही इस सोच को देखें तो भूमिहीनों के लिए कुछ भूमि की व्यवस्था करनी चाहिए। दबंगों के अवैध कब्जों को हटाकर, सीलिंग की व्यवस्था लागू कर, बंजर भूमि सुधार कर व अन्य उपायों से थोड़ी सी ही सही, पर कुछ भूमि सभी भूमिहीन परिवारों को अवश्य देनी चाहिए। जल–संरक्षण, मिट्टी का प्राकृतिक उपजाऊपन बढ़ाने के उपाय, प्राकृतिक खेती, परंपरागत बीजों की रक्षा, कुंओं व तालाबों की रक्षा, दस्तकारियों की रक्षा, खाद्य प्रसंस्करण, खाद व कीड़ों–बीमारियों से फसल की रक्षा, किसानों के मित्र विभिन्न जीव–जंतुओं, विशेषकर गो वंश की रक्षा, गांववासियों में आपसी सहयोग व भाईचारे को मजबूती, गांव में एकता व आत्म–निर्भरता बढ़ाना, परस्पर सहयोग से गांव का पर्यावरण सुधारना, वनों की रक्षा करना व नए वृक्ष लगाना– ये सब विकास की प्राथमिकता के कार्य हैं जो जलवायु बदलाव के संकट को कम करने व उसकी सहन–क्षमता बढ़ाने से भी जुड़े हैं। गांधीजी की सोच इन कार्यों के अनुकूल है व ग्रामीण विकेंद्रीकरण तथा पंचायती राज को इस रूप में मजबूत करना चाहती है कि उसके माध्यम से इन प्राथमिकताओं के लिए पर्याप्त संसाधन प्राप्त करते हुए, गांववासी परस्पर सहयोग से इन उद्देश्यों के लिए अपनी क्षमतानुसार अधिकतम प्रयास करते हुए सार्थक व टिकाऊ उपलब्धियों की ओर बढ़ें। परस्पर सहयोग की इसी मजबूती का उपयोग वे सभी तरह के नशे को दूर रखने व जुए, दहेज–प्रथा जैसी अन्य सामाजिक बुराईयों से निपटने में करें। इस सोच में महिला विरोधी हिंसा, अन्य तरह की हिंसा, लंबी व खर्चीली मुकदमेबाजियों के लिए कोई स्थान नहीं है। जहां एक ओर यह सहयोग व अमन की सोच है, वहीं दूसरी ओर एक अन्य सोच है जिसमें धर्म व जाति के आधार पर गुटबाजी की जाती है। गांव में कुछ लोग कहते हैं कि जातियों को ऐसे जोड़ो कि अधिक वोट मिल जाएं। दूसरा पक्ष कहता है कि ऐसे जोड़ो कि वोट के अलावा हम अन्य तरह से भी शक्तिशाली हों। कुछ अन्य लोग कहते हैं कि इससे भी अधिक लाभ धर्म के आधार पर बांटने से मिलेगा। इसके जवाब में दूसरा पक्ष कहता है कि हम जाति आधारित जोड़ से तुम्हारा जवाब देंगे। इन सभी तरह की सोच में महात्मा गांधी का यह उद्देश्य तो पूरी तरह पीछे छूट जाता है कि सभी को आपसी सहयोग के रिश्ते में बांधने का प्रयास किया जाना चाहिए। एक गांव का उदाहरण छोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो यहां भी हमें राष्ट्रीय हित के कार्यों के लिए आपसी सहयोग की बहुत कमी दिखाई देती है। बेशक कुछ हद तक लोकतांत्रिक राजनीति के दौर में विभिन्न राजनीतिक दलों व नेताओं में नोंक–झोंक होती है, पर इसके साथ व्यापक राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर सहयोग बढ़ाना भी जरूरी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था यह अवसर देती है कि किसी देश के विकास और प्राथमिकताओं पर विभिन्न विचार रखने वाले व्यक्ति, नेता व दल अपने–अपने विचारों को लेकर चुनाव क्षेत्र में जाएं व जिसे जनता का अधिक समर्थन मिले वे सरकार का गठन करें। इसका यह अर्थ नहीं है कि सभी लोगों के हित के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहयोग न हो। सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर आपसी सहमति बननी चाहिए व सभी दलों, सभी लोगों को इन मुद्दों पर आपसी सहयोग से कार्य करना चाहिए। घरेलू पक्ष को देखें तो महात्मा गांधी की सोच के अनुरूप समता, सादगी, पारदर्शिता, ईमानदारी, विकेन्द्रीकरण, पर्यावरण की रक्षा, भेदभाव का अंत, सभी धर्मों का आपसी सम्मान व भाईचारा–यह राष्ट्रीय हित के लिए सबसे जरूरी हैं व इन पर आधारित आम सहमति के कार्यक्रम बनने चाहिए। जहां इन नीतियों के विरोध की नीतियां अपनाई जाएं, वहां अहिंसक विरोध होना चाहिए। विदेश नीति को देखा जाए तो पूरी दुनिया में अमन–शांति को बढ़ाना, अति विनाशकारी हथियारों की दौड़ को रोकना या नियंत्रित करना, विश्व को ऐसी दिशा में ले जाना जहां युद्ध की संभावना न हो या न्यूनतम हो, पर्यावरण की रक्षा को प्राथमिकता देना, धरती की जीवन–रक्षक स्थितियों को बचाने के लिए अन्तरराष्ट्रीय सहयोग को उच्चतम महत्व देना, अभाव व भुखमरी से पीड़ित देशों की सहायता को प्राथमिकता देना बहुत जरूरी है। पड़ौसी देशों से शांतिपूर्ण संबंध बनाए रखना व अपने सीमा–विवादों को यथासंभव सद्भावनापूर्ण माहौल में सुलझाना बहुत महत्वपूर्ण है। इनके लिए राष्ट्रीय सहमति से कार्य होना चाहिए, ताकि यह कार्य करते हुए सरकार की स्थिति मजबूत रहे। जहां अमन–शांति के लिए प्रतिबद्धता अति आवश्यक है, वहां स्थितियां प्रतिकूल हो जाने पर देश की रक्षा भली–भांति हो सके, इसके लिए भी तैयार रहना पड़ेगा। समकालीन संदर्भ में यह सोच महात्मा गांधी की सोच के बहुत नजदीक है। यदि भारत इस सोच को सही अर्थों में अपना पाता है तो इससे न केवल देश विकास की बहुत सार्थक समझ के अनुकूल प्रगति कर सकेगा, अपितु विश्व के लिए भी यह एक बहुत महत्वपूर्ण सीख होगी और इस तरह के विकास को विश्व स्तर पर अनुकरणीय माना जाएगा। महात्मा गांधी की सोच और भारत की आजादी की लड़ाई से निकले संदेश की एक बड़ी उपलब्धि है कि सात–आठ दशक बीत जाने के बाद भी इनकी प्रासंगिकता न केवल बनी हुई है, अपितु जलवायु बदलाव व महाविनाशक हथियारों की होड़ के बीच इस संदेश का महत्व और बढ़ गया है। जरूरत इस बात की है इस संदेश को समकालीन समस्याओं के संदर्भ में समझा व अपनाया जाए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

आलिया भट्ट

ने शुरू की अल्फा की शूटिंग, सुपर एजेंट के रोल के लिए चार महीने ली कड़ी ट्रेनिंग

> एक सूत्र ने बताया कि अल्फा में आलिया पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में दिखाई देंगी। उन्होंने सुपर एजेंट की भूमिका निभाने के लिए खुद को तैयार करने के लिए लगभग चार महीने तक ट्रेनिंग ली। सूत्र ने आगे बताया कि फिल्म में एक्ट्रेस के कई हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस हैं।

वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनीं एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने फिल्म अल्फा की शूटिंग शुरू कर दी है। इसमें वह सुपर एजेंट के किरदार में नजर आएंगी। इसके लिए उन्होंने चार महीने की कड़ी ट्रेनिंग ली है। एक्ट्रेस की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसमें आलिया सेट पर जाती हुई दिखाई दे रही हैं। उन्होंने व्हाइट शर्ट और ब्लू पैंट पहनी हुई है। इस दौरान उनके साथ एक क्रू भी है, जो उनकी छतरी पकड़े हुए है। एक सूत्र ने बताया कि अल्फा में आलिया पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में दिखाई देंगी। उन्होंने सुपर एजेंट की भूमिका निभाने के लिए खुद को तैयार करने के लिए लगभग चार महीने तक ट्रेनिंग ली। सूत्र ने आगे बताया कि फिल्म में एक्ट्रेस के कई हाई–ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस हैं। फिल्म में उनके पांच से छह मेजर एक्शन सीक्वेंस हैं और उन्हें पूरी तरह से फिट रहना होगा। उन्होंने अपने बॉडी को इतना फिट बना दिया है कि उन्हें स्क्रीन पर पावरफुल दिखना है। स्पाई यूनिवर्स फिल्म का ऑफिशियल तौर पर 5 जुलाई को टाइटल दिया गया। इसमें एक्ट्रेस शरवरी वाघ भी सुपर एजेंट का रोल निभाती नजर आएंगी, जो मुंज्या और महाराज के साथ अपनी हालिया सफलताओं को एन्जॉय कर रही हैं। मेकर्स द्वारा शेयर किए गए वीडियो में केवल आलिया की आवाज है, इसमें वह कहती हैं, ग्रीक अल्फाबेट का सबसे पहला अक्षर और हमारे प्रोग्राम का मोटिव... सबसे पहले, सबसे तेज, सबसे वीर। ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है और जंगल में हमेशा राज करेगा अल्फा! अल्फा को शिव रावल डायरेक्ट करेंगे, जो स्ट्रीमिंग सीरीज द रेलवे मेन डायरेक्ट कर चुके हैं। इसका निर्माण वाईआरएफ के तहत किया जा रहा है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स में एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान और टाइगर 3 जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में शामिल हैं। स्पाई यूनिवर्स के लिए तैयार फिल्मों में ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर की लीड रोल वाली वॉर 2, पठान 2 और टाइगर बनाम पठान शामिल हैं। फिल्म के टाइटल का खुलासा होने के बाद अब दर्शक रिलीजिंग डेट का इंतजार कर रहे हैं।

अंबानी के फंक्शन में खाने में निकला बाल, लोग बोले–क्या फायदा हुआ इतना पैसा खर्च करने का

हर आम इंसान जानना चाहता है कि रईस लोगों की शादी कैसी होती है। तभी तो इन दिनों देश के सबसे अमीर परिवार यानी कि अंबानी परिवार के बेटे की शादी से जुड़ी हर छोटी से बड़ी जानकारी पाने के लिए लोग बेताब हैं। सोशल मीडिया पर भी इस सबसे बड़ी वेडिंग से जुड़े अपडेट सामने आ रहे हैं। इस बीच एक वीडियो ऐसा भी आया है, जिसे देखकर यकीन ही नहीं होगा कि इतने बड़े फंक्शन में भी ऐसा कुछ हो सकता है। सोशल मीडिया सेंसेशन ओरी को तो आप जानते ही होंगे जो अनंत–राधिका के किसी भी फंक्शन को मिस नहीं कर रहे हैं। ऐसे में वह कई इनसाइड वीडियो भी शेयर कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने इटली के पोर्टोफिनो में हुए फंक्शन का एक व्लॉग शेयर किया है, जिसमें उनकी खाने की प्लेट में बाल नजर आया। इस वीडियो को देख लोग तरह–तरह की बातें कर रहे हैं। वीडियो में देख सकते हैं कि अनंत–राधिका के दूसरे प्री–वेडिंग फंक्शन में ओरी अलग–अलग स्टॉल पर जाकर खाने का स्वाद चख रहे हैं। वह अपनी दोस्त तानिया श्रॉफ के साथ मुंबई के मशहूर वड़ा पाव फूड स्टॉल पर जाते हैं और अपने पसंदीदा खाने का लुत्फ उठाते हैं। हालांकि जैसे ही वे एक निवाला खाते हैं, तो वड़ा पाव में एक बाल दिखाई देता है। ओरी ने कैमरे में वड़ा पाव में लगे बाल को दिखाने की कोशिश भी की। हालांकि उन्होंने बाल हटाने के बाद उस वड़ा पाव को खाने से परहेज नहीं किया। वीडियो में तानिया को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि मैं एक निवाला और खाना चाहती थी लेकिन इसमें बाल हैं। इस वीडियो को देखने के बाद लोगों का कहना है कि क्या फायदा इतना पैसा खर्च करने का जब खाने में इस तरह बाल मिल रहे हैं।

जान्हवी कपूर

ने उलझ के दो नए पोस्टर किए जारी, कहा-हर चेहरा एक कहानी बयां करता है

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपकमिंग फिल्म उलझ के दो नए पोस्टर जारी किए, जो रहस्यमयी दुनिया की झलक पेश करते हैं। पहली तस्वीर में गुलशन देवैया, राजेश तैलंग, रोशन मैथ्यू और मेयांग चांग सहित पूरी स्टार कास्ट सीरियस सिचुएशन में दिखाई दे रही है। दूसरे पोस्टर में अकेली जान्हवी नजर आ रही हैं, उन्होंने ब्राउन कलर का ब्लेजर पहना हुआ है और उस पर तिरंगा का बैच लगा हुआ है। साथ ही हाथ में एक फाइल पकड़ी हुई हैं, जिस पर कॉन्फिडेंशियल लिखा हुआ है। जान्हवी ने इन दो पोस्टर्स को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हर चेहरा एक कहानी बयां करता है, और हर कहानी एक जाल है! इस उलझ को सुलझाओ... 2 अगस्त से आपके नजदीकी सिनेमाघरों में! उलझ की कहानी परवेज शेख और सरिया ने लिखी है और डायलॉग अतिका चौहान के हैं। यह फिल्म इंडियन फॉरेन सर्विस (आईएफएस) के अधिकारी और एक युवा डिप्लोमैट के जीवन पर आधारित है, जो उसके करियर और निजी जीवन में आने वाली चुनौतियों को दर्शाती है। फिल्म का निर्माण जंगली पिक्चर्स ने किया है। इसमें आदिल हुसैन, राजेश तैलंग, मेयांग चांग, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी लीड रोल में हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो जान्हवी कपूर जल्द ही देवरा पार्ट 1 में नजर आएंगी। वह इस फिल्म के जरिए तेलुगु इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। इसमें उनके साथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान दिखाई देंगे। इसके अलावा, वह वरुण धवन के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में भी नजर आएंगी। यह जोड़ी फिल्म बवाल में स्क्रीन पर पहले भी दिख चुकी है। इस फिल्म में रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और अक्षय ओबेरॉय भी लीड रोल में हैं। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सुकेश से महंगे गिफ्ट लेकर बुरी फंसी जैकलीन फर्नांडिस, ईडी ने एक्ट्रेस को फिर भेजा समन

जैकलीन फर्नांडिस की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े धन शोधन मामले में नये दौर की पूछताछ के लिए जैकलीन फर्नांडिस को बुधवार को एक बार फिर तलब किया। इससे एक दिन पहले ही सुकेश ने ने जैकलीन के नाम लेटर लिखा था। माना जा रहा है कि इसके बाद ही ये एक्शन लिया गया अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि फोर्टिस हेल्थकेयर के पूर्व प्रमोटर शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह सहित कई अन्य हाई–प्रोफाइल लोगों से कथित तौर पर लगभग 200 करोड़ रुपये की ध ोखाधड़ी करने से जुड़े मामले में 38 वर्षीय जैकलीन से ईडी पहले भी पूछताछ कर चुकी है। ईडी का आरोप है कि चंद्रशेखर ने 'अपराध से अर्जित रकमश या अवैध धन का इस्तेमाल जैकलीन के लिए तोहफे खरीदने के वास्ते किया था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने 2022 में दायर एक आरोपपत्र में कहा था कि जैकलीन "चंद्रशेखर के आपराधिक इतिहास के बारे में जानने के बावजूद उससे कीमती सामान, आभूषण और महंगे तोहफे लेती थीं।" मामले में ईडी जैकलीन से कम से कम पांच बार पूछताछ कर चुकी है। जैकलीन ने हमेशा कहा है कि वह बेकसूर हैं और उन्हें चंद्रशेखर की कथित आपराधिक गतिविधियों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

ईशा अंबानी के लुभावने 'संस्कृत श्लोक' लहंगे को बनाने में 4000 घंटे लगे

> अपनी बेहतरीन फैशन सेंस के लिए मशहूर ईशा अंबानी ने मुंबई में अंबानी परिवार द्वारा अपने आलीशान घर एंटीलिया में आयोजित शिव शक्ति पूजा समारोह में सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। बुधवार को आयोजित यह कार्यक्रम बहुत ही भव्य था, लेकिन ईशा के परिधानों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा।

अपनी बेहतरीन फैशन सेंस के लिए मशहूर ईशा अंबानी ने मुंबई में अंबानी परिवार द्वारा अपने आलीशान घर एंटीलिया में आयोजित शिव शक्ति पूजा समारोह में सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। बुधवार को आयोजित यह कार्यक्रम बहुत ही भव्य था, लेकिन ईशा के परिधानों ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। दिल्ली विंटेज कंपनी के एक आकर्षक कढ़ाई वाले लहंगे में लिपटी हुई। दिल्ली विंटेज कंपनी, जो पारंपरिक बुनाई तकनीकों और शिल्प कौशल को पुनर्जीवित करने के लिए अपने समर्पण के लिए प्रसिद्ध है, ने इस बेहतरीन लहंगे को एक अनूठी थीमरू द ट्री ऑफ लाइफ के साथ तैयार किया है। लहंगे को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और समकालीन रूप से आकर्षक दोनों तरह से डिजाइन किया गया था, जो आधुनिक मोड़ के साथ कालातीत लालित्य के सार को समेटे हुए था। जटिल डिजाइन में जीवन का वृक्ष दिखाया गया था, जिसके नीचे नंदी बैठे थे, एक तरफ एक मंदिर था, और चारों ओर पक्षी बिखरे हुए थे, जो सद्भाव और संतुलन का प्रतीक थे। इस बेहतरीन कृति को बनाने की यात्रा एक कलात्मक यात्रा थी। अलग–अलग सिलाई तकनीकों और कलात्मक तत्वों के साथ कई दौर के प्रयोग के बाद, डिजाइनरों ने एक विंटेज बनावट वाला कपड़ा चुना। फिर इस कपड़े को शुद्ध जरदोजी के काम से जीवंत किया गया, प्राचीन सिक्कों और विंटेज अलंकरणों से अलंकृत किया गया, जिससे आधुनिक सिल्हूट में इतिहास और विरासत की परतें जुड़ गईं। इस पोशाक का निर्माण एक सहयोगी प्रयास था जिसमें प्रसिद्ध स्टाइलिस्ट अनाइता श्रॉफ अदजानिया के साथ कई चर्चाएँ और विचारों का आदान–प्रदान शामिल था। सावधानीपूर्वक प्रक्रिया और विवरण पर ध्यान देने के बाद एक अंतिम डिज़ाइन तैयार हुआ जिसे ईशा ने खुद व्यक्तिगत रूप से अनुमोदित किया था। लहंगे को पूरा करने में कुल 4000 मानव–घंटे लगे, जो इसमें शामिल कारीगरों के समर्पण और शिल्प कौशल को दर्शाता है। दिल्ली विंटेज कंपनी के इस शानदार लहंगे में शिव शक्ति पूजा समारोह में ईशा अंबानी की उपस्थिति उनके बेहतरीन स्वाद और परंपरा को आधुनिकता के साथ सहजता से मिलाने की उनकी क्षमता का प्रमाण है। उनके परिधान ने न केवल उनकी व्यक्तिगत शैली को उजागर किया, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शिल्प कौशल को भी प्रदर्शित किया, जिससे कार्यक्रम में एक शक्तिशाली फैशन स्टेटमेंट बना।

थायरॉइड की बीमारी से ऐसे करें अपना बचाव, वरना दवाईयों के सहारे कटेगी जिंदगी

महिलाओं से लेकर पुरुषों तक के लिए थायरॉइड एक आम बीमारी बन गई है। हालांकि पुरुषों की तुलना में महिलाएं थायरॉइड का अधिक शिकार होती है। इस बीमारी के होने पर व्यक्ति के वेट में उतार–चढ़ाव और मोटापे की समस्या होने लगती है। वहीं थायरॉइड अपने साथ अन्य कई बीमारियों को भी आमंत्रित करता है। यह बीमारी किसी भी उम्र में हो सकती है। ऐसे में अगर आप भी न सिर्फ इस बीमारी से बल्कि अन्य बीमारियों से भी अपना बचाव करना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप थायरॉइड जैसी बीमारी से अपना बचाव कर सकते हैं। थायरॉइड महिलाओं से लेकर पुरुषों तक के लिए एक आम बीमारी बन गई है। पुरुषों की बराबरी में महिलाएं इस बीमारी की शिकार ज्यादा बनती हैं। इस बीमारी के कारण लोगों को मोटापे और शरीर के वजन में उतार–चढ़ाव जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। थायरॉइड अपने साथ कई और बीमारियों को न्यौता देता है। इस बीमारी की कोई उम्र नहीं है, यह कभी भी किसी को भी हो सकती है।

थायरॉइड

बता दें कि थायरॉइड एक ग्लैंड होता है, जो हमारे गले के अंदर पाया जाता है। गले में पाया जाने वाला यह ग्लैंड थाइरॉइड हार्मोन्स बनाता है, जो शरीर के मेटाबोलिक रेट को नियंत्रित करता है। थाइरॉइड हार्मोन्स शरीर के तापमान, शरीर का एनर्जी लेवल और दिल के फंक्शन को कंट्रोल करने में सहायक होता है। इस हार्मोन के कम या ज्यादा होने से सेहत संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इनमें से हाइपोथायराइडिजम और हाइपरथायरॉइडिजम जैसी समस्या भी शामिल है।

रेगुलर चेकअप

थायराइड जैसी बीमारी से बचने के लिए आप रेगुलर चेकअप करवा सकते हैं। क्योंकि इस समस्या को आप समय रहते पहचान सकते हैं। वहीं सही समय पर इस बीमारी का पता चलने पर आप इलाज से इसे कंट्रोल कर सकते हैं।

हेल्दी डाइट

थायरॉइड के लिए आपको अपनी डाइट में पोषक तत्वों को जरूर शामिल करना चाहिए। आपको सेलेनियम, आयोडीन और विटामिन डी से भरपूर फूड आइटम्स का सेवन करना चाहिए।

हेल्दी लाइफस्टाइल करें फॉलो

यदि आप एक हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करते हैं तो तमाम बीमारियों से खुद का बचाव कर सकते हैं। क्योंकि रोजाना एक्सरसाइज करना, सही डाइट लेना और अच्छी नींद लेने से आपके स्वास्थ्य को कई फायदे हो सकते हैं। वहीं तनाव को कम करने के लिए आप योग व मेडिटेशन का सहारा ले सकते हैं। इन चीजों को आदत में लाने से थायरॉइड जैसी बीमारी से आप दूर रह सकते हैं।

इन चीजों का न करें सेवन

अधिक मात्रा में गोभी, ब्रोकली, सोया प्रोडक्ट, केले और ब्रसेल्स स्प्राउट्स का सेवन नहीं करना चाहिए। क्योंकि यह चीजें थायरॉइड की समस्या को प्रभावित कर सकती हैं। वहीं अपने खाने में आयोडाइज्ड नमक का इस्तेमाल करना चाहिए। यह आयोडीन का अच्छा सोर्स होता है, जो थायरॉइड फंक्शन में सहायक होता है।

समय पर लें दवाएं

यदि डॉक्टर ने आपको दवाएं दी हैं, तो आपको उनका अनुशासित ढंग से सेवन करना चाहिए। क्योंकि दवा खाने में लापरवाही बरतने पर आपकी परेशानी अधिक बढ़ सकती है।

कान में हो रहा है दर्द ? ये घरेलू उपचार आएंगे आपके काम

हम एक बार पीठ या पेट का दर्द सहन कर सकते हैं लेकिन कान का दर्द किसी के लिए भी सहन के बाहर होता है। ये दर्द इतना भयंकर होता है की इसकी वजह से अच्छे–अच्छों का भी रोना निकल जाता है। वैसे देखा जाए तो ये दर्द कई वजहों से हो सकता है जैसे, हेडफोन से तेज आवाज में गाने सुनना या फिर कई बार कई कारणों की वजह से हमारे कान से पानी बहने लगता है जिसकी वजह से सूजन आ जाती है और दर्द होने लगता है लेकिन अगर हम बात सिर्फ सूजन की करें तो इसके बारे में पहले लोग ज्यादा ध्यान नहीं देते जिसके बाद ये बढ़ जाती है। ऐसे में अगर आपको भी लग रहा है की आपके कानों में सूजन और दर्द हो रहा है तो आपको नुस्खे अपनाने चाहिए।

एरंड के पत्तों को तेल

एरंड के पत्तों को तेल लगाकर सेक ले। फिर इसे कान के सुजन वाले हिस्से पर लगा ले या बांध ले। इससे कान की सुजन दूर होगी।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

अगर आपके कान में सूजन हो रही है तो आप एलोवेरा जेल का इस्ध्तेमाल कर सकते हैं। एलोवेरा जेल में एंटी–इंफ्लामेटरी गुण होते हैं जिससे कान में सूजन की समस्या और दर्द दूर होता है। आप एलोवेरा के पत्तियों से निकलने वाले जेल को कान के बाहरी हिस्से में एप्लाई करें जहां सूजन नजर आ रही है और सूजन व दर्द को दूर करने के लिए आप एलोवेरा तो हफ्ते में 3 से 4 बार लगा सकते हैं।

गुड व चने का लेप

सुजन वाले स्थान पर गुड व चने का लेप लगाने से भी राहत मिलती है और दर्द का अहसास भी कम किया जा सकता है।

छाछ का लेप

सनई के बीज, मेथी, काला जीरा, हल्दी, सभी को एक साथ मिला ले तथा इसको छाछ में पिस ले और इसका लेप सुजन वाली जगह पर लगा ले। इससे आपको तुरंत ही राहत मिलेगी।

गर्म सिकाई करें

कान में सूजन की समस्या को दूर करने के लिए आप गर्म सिकाई करें, गरम या ठंडी सिकाई दोनों को ही आप कान में सूजन की समस्या को दूर करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। आपको सिकाई करने के लिए गरम तिल को पोटली में बांधकर उसे कान के बाहरी हिस्से में लगाकर सूजन को कम करना है आप बर्फ को पोटली में बांधकर उसे कान के बाहरी हस्से में लगाएं।

धतूरे का रस

सुजन वाले स्थान पर चित्रकमूल व् सहिजन को धतूरे के रस में पीसकर लेप लगाकर ऊपर से रुई बांध ले। ऐसा दिन में 3–4 बार करे इससे कान के दर्द व् सुजन में राहत मिलेगी।

गाय का मूत्र

सोंठ 3 ग्राम, काला तिल 2 ग्राम, बिनोला 4 ग्राम, सभी को गाय के मूत्र में मिलाकर सुजन पर लगाये। इससे भी सुजन से राहत मिलेगी।

सेब का सिरका

कान पकने के कारण भी कान में सूजन की समस्या हो सकती है जिसे दूर करने के ीलए आप एप्पल साइडर विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। विनेगर

की मदद से आप कान में संक्रमण की समस्या को दूर कर सकते हैं। एप्पल साइडर विनेगर में एंटीऑक्सीडेंट, एंटी–इंफ्लामेटरी गुण पाए जाते हैं जिससे कान में संक्रमण दूर होता है और सूजन घटती है। अगर पस की समस्या है तो वो भी दूर होती है। आपको सूजन कम करने के लिए विनेगर को रूई पर लगाकर कान के बाहरी हिस्से में लगाना है इससे कान में सूजन की समस्या दूर हो जाएगी।

ध्यान दें: कान में सूजन की समस्या के लिए आप आसान उपाय अपना सकते हैं लेकिन दर्द से राहत न मिले तो आप डॉक्टर को जरूर दिखाएँ।

मानसून में हरी सब्जियां होती हैं जहर के समान, एक्सपर्ट ने बताई वजह

मानसून का मौसम शुरू हो चुका है। इस दौरान डायरिया, फूड पॉइजनिंग, फ्लू व इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है इसलिए खान–पान का खास ख्याल रखने की सलाह दी जाती है। अच्छी सेहत के लिए सही डाइट लेना जरूरी है। सेहतमंद रहने व इम्यूनिटी बूस्टर के लिए सब्जियों से बढ़िया ऑप्शन और कोई नहीं लेकिन इस दौरान सलाद और कच्ची सब्जियां नहीं खानी चाहिए। चलिए आपको बताते हैं क्यों?

क्यों नहीं खानी चाहिए हरी सब्जियां?

एक्सपर्ट का कहना है कि इस मौमस में हरी पत्तेदार सब्जियों में बैक्टीरिया आसानी से पनप जाते हैं, जिससे पेट दर्द, इंफेक्शन का खतरा रहता है। यही वजह है कि बरसात में पालक, बथुआ, मेथी, गोभी, पत्ता गोभी आदि खाने की मनाही होती है।

1. बेशक सब्जियां और सलाद सेहत के लिए फायदेमंद है लेकिन बरसाती मौसम में इनसे दूरी बनानी चाहिए। दरअसल, इस मौसम में कीटाणु व बैक्टीरिया ज्यादा पनपने लगते हैं। ज्यादातर सब्जियां ज्यादातर जमीन के नीचे या मिट्टी में उगाई जाती है। अधिक नमी के कारण इनमें जर्म्स, बैक्टीरिया और वायरस जन्म ले लेते हैं।

2. ऐसे में जब आप इन्हें अच्छी तरह धोकर नहीं पकाते तो बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बीमारी फैलाने वाले ये सूक्ष्मजीव सामान्य आंखों से दिखाई भी नहीं देते। अध पकी या कच्ची सब्जियां खाने से आप सीधा बैक्टीरिया और फंगस के संपर्क मे आ जाते हैं, जिससे पाचन तंत्र असंतुलित हो जाता है।

3. वहीं, खेतों मे किसान कीटनाशक दवाई, पेस्टिसाइड्स आदि का छिड़काव करते हैं, जिससे सब्जियों पर उनका असर आ जाता है। ऐसे में यदि आप कच्ची सब्जियों व सलाद का सेवन करती हैं तो ये आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

क्या करें?

1. अगर आप बरसाती मौसम में कच्ची या पत्तेदार सब्जियां, सलाद खाना चाहते हैं तो उसे अच्छी तरह गर्म पानी से धोकर उबालकर खाएं।

2. हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे– लेटयूस (स्मजजनबम), पालक, बंदगोभी, मूली आदि से दूरी बनाकर रखें क्योंकि इनमे कीड़े (कैटरपिलर) या बैक्टीरिया फैलाने वाले उनके अंडे हो सकते हैं, जो आपको बीमार कर सकते हैं।

3. सब्जियां उबालना नहीं चाहते तो गर्म पानी में नमक डालकर सब्जियों को उनमें कुछ देर के लिए भिगो दें। फिर उन्हें दोबारा साफ पानी से धो लें।

बैंगन से भी रखें परहेज

हरी सब्जियों के साथ सावन में बैंगन भी नहीं खाने चाहिए क्यों उनमें भी कीड़े लग जाते हैं। इसे खाने से पेट में इंफेक्शन की समस्या हो सकती है।

तले–भुने से करें परहेज

बरसाती मौसम में ज्यादा तल–भुला, मसालेदार भोजन भी नहीं करना चाहिए। इससे पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा नींबू, अनार से भी परहेज करें।

क्या खाएं?

आयुर्वेद के मुताबिक, इस मौसम में ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए , जो आसानी से पच जाएं। सावन में आप दालें, तुरई, टमाटर, आलू, कद्दू, लौकी, नट्स, बीन्स, फल, मखाने, कद्दू या सिंघाड़े का आटा, साबूदान, केला, अनार, नाशपति और जामुन आदि लें सकते हैं। कोशिश करें कि सावन के दौरान सात्विक भोजन ही लें।

मानसून का सुंदर नजारा देखने के लिए पार्टनर के साथ पुणे की इन जगहों पर जाए

बरसात के मौसम में अगर आपका भी सुंदर नजारा देखने को मिल जाए, तो ऐसा लगता है कि मानों यात्रा सफल हो गई है। घूमने का सबसे बढ़िया यहीं मौसम में होता है। आप भी अपने पार्टनर या दोस्त के साथ पुणे की इन खूबसूरत जगहों पर जाएं।

जिन लोगों को घूमने का शौक होता है वह अक्सर मानसून का इंतजार जरुर करते हैं। इस मौसम में घूमने का अलग ही मजा आता है। बारिश के मौसम में हर जगह सुंदर नजारा होता है। देश में ऐसी कई जगहें हैं, जहां सुंदर नजारा आपको बारिश के मौसम में ही देखने को मिलेगा। ऐसी ही कुछ जगहें पुणे में स्थित है। आमतौर पर कपल्स ऐसी जगह पर जाना पसंद करते हैं, जहां उन्हें शांति और सुकून का अहसास हो। इस आर्टिकल में हम आपको पुणे की कुछ ऐसी ही छिपी हुई जगहों के बारें विस्तार से जानकारी देंगे।

शिरोटा झील

यह झील पुणे छिपी हुई झील की तरह है, जिसके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। यह झील शहर के बाहरी इलाके में है। यहां आपको पर्यटकों की भीड़ बहुत कम देखने को मिलती है। अगर आप भी मानसून में कहीं घूमने का प्लान बनी रहे हैं तो आप पार्टनर के साथ यहां घूमने आ सकते हैं। यहां आप ट्रेकिंग भी कर सकते हैं, लेकिन बारिश के दौरान आपको इसे करने से बचना चाहिए।

विसापुर किला

मानसून के दौरान इस जगह पर घूमने का अलग ही मजा है। यह किला हरी–भरी हरियाली और खंडाला के खूबसूरत पहाड़ों से घिरा हुआ है। इस जगह की सबसे खास बात यह कि आपको यहां पहुंचने में थोड़ा समय लगेगा, लेकिन भीड़ नहीं मिलेगी। दरअसल, यह किला गांव वीसापुर में स्थित है। यहां सीढ़ियों पर पानी गिरता हुआ बहुत ज्यादा सुंदर लगता है।

घनगड किला

बरसात के मौसम में आप कैंपिंग के लिए जा सकते हैं। यहां आप कुछ स्थानों जैसे देवी गरजई मंदिर, किले और गुफाएं देखने जा सकते हैं। अगर आप लोनावाला–खंडाला से आ रहे हैं, तो आपको 30 किमी और पुणे से 100 किमी दूरी की यात्रा करनी होगी।

वरिष्ठ साहित्यकार अधिदर्शक चतुर्वेदी का निधन

मिर्जापुर का साहित्य जगत मर्माहत

मिर्जापुर। वरिष्ठ साहित्यकार अधिदर्शक चतुर्वेदी का 11 जुलाई, 24 को रात में नोएडा में स्थित उनके पुत्र के आवास पर निधन हो गया। वह बीमार थे और वहाँ रहकर इलाज करा रहे थे। उनका

मूल नाम अंजनी प्रताप चतुर्वेदी था। वह 76 वर्ष के थे। उनका पैतृक निवास जमानियां गाजीपुर था। सन् 2023 में उनकी दो साहित्यिक पुस्तकें ष्आपके हाथ में गुलाब आयेष (गजल संग्रह) और ष्दोस्त आनन्द भवन रोता हैष (कविता संग्रह) प्रकाशित हुई हैं। जिनका विमोचन मिर्जापुर के नारघाट स्थित शहीद उद्यान में हुआ था। इसके पश्चात कुछ समय पूर्व राजनेता कवि भगौती चौधरी के काव्य संग्रह ष्दीप जलाता हूँ एकता काष के विमोचन समारोह में मिर्जापुर के एक मंच पर लोगों से मुखातिब हुए थे। वह एक क्रांतिकारी लेखक थे साथ ही काँग्रेस पार्टी की लम्बी परम्परा के समर्थक भी थे। उनके पारिवारिक सूत्रों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार नोएडा तथा शेष अन्य कार्यक्रम मिर्जापुर में होंगे। उनके निधन से साहित्यकार मर्माहत है और लोगों ने अपनी शोक संवेदना व्यक्त की है। शोक व्यक्त करने वालों में डॉ अनुज प्रताप सिंह, शरद मेहरोत्रा, वृजदेव पांडेय, प्रो रेनूरानी सिंह, डॉ वंदना मिश्रा, गणेश गंभीर, लल्लू तिवारी,डॉ रमाशंकर शुक्ल, जफर मिर्जापुरी, भोलानाथ कुशवाहा, अरविंद अवस्थी, केदार नाथ सविता, आनन्द अमित, डॉ अनुराधा ओस, लालव्रत सिंह सुगम, मुहिब मिर्जापुरी, खुर्शीद भारती, इम्तियाज अहमद गुमनाम, नंदिनी वर्मा, डॉ सुधा सिंह,इला जायसवाल,सारिका चौरसिया, पूजा यादव, हसन जौनपुरी, संतोषी निषाद, इरफान कुरैशी, अनिल यादव आदि हैं।

छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति से वंचित दशमोत्तर उच्च शिक्षा के छात्र/छात्रायें 24 जुलाई तक आवेदन सही कर आनलाइन सबमिट करें

प्रतापगढ़। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी आशीष द्विवेदी ने बताया है कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना (उच्च शिक्षा) के तहत एफिलियेटिंग एजेन्सी यथा–परीक्षा नियामक प्राधिकारी प्रयागराज द्वारा डी0एल0एड0 (डिप्लोमा इन एलीमेन्ट्री एजुकेशन अर्थात बी0टी0सी0) पाठ्यक्रम एवं स्टेट मेडिकल फैकल्टी द्वारा पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों का परीक्षा परिणाम घोषित होने, पी0एफ0एम0एस0 से रिस्पॉन्स प्राप्त न होने तथा बैंक खाते का आधार सीडेड न होने के कारण (ट्रांजेक्शन फेल सहित) सामान्य वर्गध्अन्य पिछड़ा वर्गध्अल्पसंख्य वर्ग के छात्रों छात्रवृत्तिध्शुल्कप्रतिपूर्ति नहीं मिल सकी है के भुगतान हेतु पोर्टल खोला गया है। उन्होने बताया है कि दिनांक 15 जुलाई से 24 जुलाई तक छात्रध्छात्रायें आनलाइन आवेदन में गतवर्ष के परीक्षा परिणाम को ठीक कराकर आनलाइन सबमिट करें। दिनांक 30 जुलाई तक आनलाइन आवेदन पत्र की हार्डकापी छात्रध्छात्राओ द्वारा वांछित संलग्नकों सहित शिक्षण संस्था में जमा किया जाना तथा शिक्षण संस्थान द्वारा छात्र के अभिलेखों से मिलान किया जाना एवं आनलाइन आवेदन प्राप्त करना, अपात्र छात्रो का आवेदन निरस्त करना तथा पात्र छात्रों का आवेदन आनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जायेगा। दिनांक 08 अगस्त से 20 अगस्त तक जनपदीय छात्रवृत्ति स्वीकृति समिति द्वारा डाटा पर निर्णय करना तथा जनपदीय स्तरीय विभागीय अधिकारी के डिजिटल सिग्नेचर से डाटा लॉक किया जायेगा। दिनांक 22 अगस्त तक जनपदीय स्तरीय विभागीय अधिकारी के डिजिटल सिग्नेचर से लॉक डाटा वर्ष 2023–24 के ट्रांजेक्शन फेल वाले छात्रों को पीएफएमएस प्रणाली के माध्यम से आधार सीडेड/एनआईसी से मैप्ड बैंक खातों मे धनराशि अन्तरित की जायेगी।

भारत की धरोहर पहचानो

भारत माता की जय बोलो मैं वंदन गीत सुनाता हूं,
सत्यमेव जयते का भारत जन जन तक पहुंचता हूं।

षडयंत्रों के बीच में प्यारे अपना भारत छला गया,
1857 से 1947 तक भारत खंडित होता चला गया।

जो देश बसे हैं अगल–बगल ये भारत के कभी हिस्से थे,
हसना रोना सीना तान के जीना हर घर–घर के किस्से थे।

जब भारत आजाद हुआ फिरंगी लपट लुटेरों से,
फिर भी भारत नहीं बचा नेताओं के कपट लुटेरों से।

निज चौड़ी छाती कर हम राष्ट्रगान को गाते हैं,
पर प्यारे भारत के मानचित्र पर सिंधु प्रांत ना पाते हैं।

ब्रह्म मुहूर्त की बेला में वंदन का पाठ पढ़ाया जाता है,
हर दिन हर क्षण हर पल हरि कीर्तन गया जाता है।
पर विषम परिस्थिति में पूजा से पहले राष्ट्र बताया जाता है,
इसीलिए हम सबके बीच में राष्ट्रगान भी गया जाता है,
पर प्यारेभारत के मानचित्र पर सिंधु को दर्शाया ना जाता है।

बंग की धरा से जो गौरव गान लिखा गया,
इसीलिए साहित्य में उनका नोबेल पुरस्कार दिया गया।
सारे वामपंथी चुप हैं 1947 से,
क्योंकि आजादी के बाद सिंधु में कभी तिरंगा न फहराया गया।

हे भारत के जनमानस वीरों वोटो से तुम नेता पर क्यूं टंकार नहीं करते,
भारत का वैभव ले दुबे लज्जा के क्रूर लुटेरों पर क्यूं प्रहार नही करते।

युवा पीढ़ी नैनों से नीर बहाने से पीड़ा का संगम नहीं होगा,
जिसने भारत को लूटा निजी स्वार्थ से यह दुरूख कम नहीं होगा।

बुद्ध की प्रतिमा का लेआनें का कौन नेता देगा आश्वासन,
पुरुषार्थ किस नेता में जो ले आएगा रणजीत सिंह का सिंहासन।

परिस्थिति का रोना छोड़ो खालो फल फूल और कंद,
मां का दूध पिया है तो ले आओ रणजीत सिंह का बाजूबंद।

है सोने की अंगूठी जिस पर राम नाम लिखा हुआ है,
शिवा के बघनख तलवार पे मराठा सल्तनत टिका हुआ है।

निखिलेश मालवीय

कार्यकरिणी समिति के छः सदस्यो का निर्वाचन सम्पन्न

प्रयागराज। नगर निगम प्रयागराज दिनांक 11 जुलाई 2024 को कार्यकरिणी समिति के छह सदस्यों का निर्वाचन की कार्यवाही के दौरान नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज श्री चन्द्र मोहन गर्ग तथा मा0 महापौर श्री उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी तथा सभी मा0पार्षदगण उपस्थित हुए। मा0महापौर जी द्वारा सदन की अध्यक्षता करते हुये उपस्थित सभी माननीय पार्षदागणो से नाम प्रस्ताव हेतु आमांत्रित किया गया। जिसके फलस्वरूप श्री अजय यादव द्वारा श्री प्रेम शंकर यादव, श्री नीरज गुप्ता द्वारा श्री सुनीता चोपड़ा, श्री सियाराम द्वारा श्री राम मिलन पासी, श्री रमीज हसन द्वारा श्री अब्दुल हसन, श्री अशीष द्विवेद्वी द्वारा श्री ज्ञान चन्द्र मिश्रा, श्री भोला तिवारी द्वारा श्री कमलेश तिवारी, श्री दिगविजय कुशवाहा द्वारा श्री गुलाब पटेल के नामों का प्रस्ताव माननीय सदन में रखा गया। तत्पश्चात माननीय महापौर द्वारा आधे घंटे का समय प्रस्तावित नामों को वापस लेने के लिये दिया गया जिसमें एक भी प्रस्ताव नाम वापसी का नही आया

तथा अपराहन 1.30 बजे से 05:00 बजे तक सभी मा0 पार्षदों एव मा0 लोक सभा सदस्य, विधान सभा सदस्यों एवं विधान परिषद सदस्यों द्वारा अपने मतो का प्रयोग किया।

इस निर्वाचन में कुल 100 मा0 पार्षदों 12 मा0 पदेन सदस्य तथा 1 मा0 महापौर के मतों का प्रयोग करते हुए कुल 108 मत 7 सदस्यों के पक्ष में डाले गये, जिसमें 6 मत अवैध घोषित हुए तथा 102 वैध मत घोषित हुए। निर्वाचन के दौरान 99 मतो का प्रयोग मा0पार्षदों द्वारा, 8 मत मा0पदेन सदस्य मा0सांसद श्री प्रवीण पटेल जी, मा0सांसद उज्जवल रमण जी, मा0विधायक श्री हर्ष वर्धन बाजपेयी जी, मा0विधायक श्रीमती गीता पासी जी, मा0विधायक श्री गुरू प्रसाद मौर्या जी, मा0विधायक पीयूष रंजन निषाद जी, मा0विधान परिषद सदस्य डा0के0पी0श्रीवास्तव जी, मा0विधान परिषद सदस्य डा0मान सिंह जी द्वारा तथा एक मत मा0महापौर श्री उमेश चन्द्र गणेश केसरवानी जी द्वारा अपने मतो का प्रयोग करते हुए अपना–अपना मत दिया गया।

निर्वाचन कमेटी द्वार मतों की गिनती में प्राप्त मतो के अनुसार निम्न सदस्य निर्वाचितध्अनिर्वाचित हुए:–

1. मा0सदस्य श्री ज्ञानेन्द्र मिश्रा
22 मत प्राप्त हुए निर्वाचित घोषित हुए
2. मा0सदस्य श्री गुलाब सिंह
18 मत प्राप्त हुए निर्वाचित घोषित हुए
3. मा0सदस्य श्रीमती सुनीता चोपड़ा
17 मत प्राप्त हुए निर्वाचित घोषित हुए
4. मा0सदस्य श्री राम मिलन
16 मत प्राप्त हुए निर्वाचित घोषित हुए
5. मा0सदस्य श्री प्रेम शंकर
12 मत प्राप्त हुए निर्वाचित घोषित हुए
6. मा0सदस्य श्री अब्दुल समद
11 मत प्राप्त हुए निर्वाचित घोषित हुए
7. मा0सदस्य श्री कमलेश विवारी
06 मत प्राप्त हुए
अनिर्वाचित घोषत हुए

मा0महापौर जी द्वारा सभी निर्वाचित कार्यकारिणी समिति के सभी छः सदस्यों को उनके जीत पर बधाई देते हुए पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान नगर निगम प्रयागराज समस्त अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित रहे सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन सचिव परिषदध्मुख्य कर निर्धारण अधिकारी श्री पी0के0द्विवेदी तथा मुख्य नगर लेखा परीक्षक श्री बालेन्दू मिश्र द्वारा किया गया।

केन्द्रीय संस्त विश्वविद्यालय गंगानाथ झा परिसर में विचार गोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज।केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गङ्गानाथ झा परिसर प्रयागराज में "प्रयागराज के वैदिक पौराणिक तीर्थ–माधव के स्थान" विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री राहुल चतुर्वेदी, विशिष्ट अतिथि श्री दीपेन्द्र यादव तथा सारस्वत अतिथि के रुप में लोक सेवा आयोग के भूतपूर्व अध यक्ष प्रो. के. बी. पाण्डेय रहे। कार्यक्रम के मुख्यवक्ता वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी श्री वीरेन्द्र पाठक ने प्रयागराज की विशिष्टता से परिचित कराते हुए प्रयागराज के भौगोलिकमहात्म्य की प्रजेन्टेशन के माध्यम से सुन्दर प्रस्तुति की। उन्होंने प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं सरस्वती नदियों के संगम को अपने व्याख्यान तथा भौगोलिक तथ्यों के आधार पर प्रस्तुत करके प्रयागराज की विशिष्टता से परिचित कराया। मुख्यातिथि अपर नगरायुक्त श्री दीपेन्द्र यादव ने प्रयागराज को स्वच्छ एवं हरित बनाने का आह्वान करते हुए 2025 में आयोजित होने वाले महाकुम्भ को सफल एवं यादगार बनाने को प्रेरित किया। सारस्वत अतिथि प्रो. के. बी. पाण्डेय ने प्रयागराज में स्थित भारद्वाज ऋषि की विद्वता

से परिचित कराया साथ ही साथ उन्होने महर्षि भारद्वाज ऋषि की वायुयानशास्त्र, चिकित्साशास्त्र, रसायनशास्त्र सहित अनेकों विषयों के विशेष ज्ञान को उल्लिखित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति श्री राहुल चतुर्वेदी ने प्राचीन साक्ष्यों के महत्व का वर्णन करते हुए समृद्ध स्थापत्यकला से परिचित कराया। विचारगोष्ठी में श्री वीरेन्द्र पाठक द्वारा लिखित पुस्तक "प्रयागराज के वैदिक पौराणिक तीर्थ–माधव के स्थान" का विमोचन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने संस्कृत भाषा को भारतीय संस्कृ ति का उन्नायक बताया। संस्कृ त भाषा के प्रति उपेक्षा का कारण लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति को बताते हुए संस्कृत भाषा की विशिष्टता से परिचित कराया। उन्होंने आगामी महाकुम्भ में परिसर के समस्त सदस्यों द्वारा उचित योगदान का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर परिसर में नियमित योग शिविर का भी उद्घाटन सम्पन्न हुआ। परिसर के योग प्रशिक्षक डा.अञ्जनी कुमार पुण्डरीक प्रतिदिन सायं गंगानाथ झा परिसर में योग शिविर का संचालन करेंगे। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अपराजिता मिश्रा तथा संयोजन परिसर के शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे एवं डा. डा. धीरज कुमार मिश्र ने किया।

इस अवसर पर प्रो. मनोज कुमार मिश्र, प्रो. अपराजिता मिश्रा, डॉ. सुरेश पाण्डेय, डा. मनीष जुगरान, डा. मोनाली दास, श्री राजेशकान्त तिवारी, सुश्री अश्विनी राजेश लंके, सुश्री शुभश्री दास, डा. अञ्जनी कुमार पुण्डरीक तथा परिसरीय अन्य कर्मचारी गण तथा परिसर के शोधच्छात्र समुपस्थित रहे।

कृषि निवेश मेले में किसानों को कृषि, उद्यान व अन्य विभागों की संचालित योजनाओं की दी गयी जानकारी

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश के क्रम में वर्ष खरीफ 2024–25 में जनपद प्रतापगढ़ में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढीकरण एवं कृषक जागरुकता कार्यक्रम योजनार्न्गत विकास खण्ड स्तरीय कृषि निवेश मेला का आयोजन विकास खण्ड मंगरौरा, बिहार, सांगीपुर तथा शिवगढ़ में किया गया। विकास खण्ड सांगीपुर में आयोजित कृषि निवेश मेला में उप कृषि निदेशक विनोद कुमार यादव उपस्थित रहे जिसमें कृषि विभाग, पशुपालन, मत्स्य विभाग एवं उद्यान विभाग के अधिकारीध्कर्मचारियो द्वारा विभाग से संचालित योजनाओं एवं अनुदान के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी तथा कृषकों को ज्वार, बाजरा, उर्द, मूंग एवं तिल की फसलों के मिनिकिट का वितरण निःशुल्क किया गया। कृषि विभाग के द्वारा प्रतिभागी कृषकों को खरीफ की फसलों की नवीन प्रजातियों की बुआई का समय, उत्पादन तकनीकी आदि एवं प्राकृतिक खेती तथा पराली प्रबन्धन की विस्तृत जानकारी दी गयी। आयोजित किसान मेला में प्रगतिशील कृषक, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान एवं लगभग 200 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

संक्षिप्त

मनुस्मृति पढ़ाने के प्रस्ताव को रद्द करना स्वागत योग्य कदम, मायावती ने जताई खुशी

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि विभाग में मनुस्मृति पढ़ाए जाने के प्रस्ताव का विरोध करने और उसे रद्द करने का फैसले का स्वागत किया है। मायावती ने इस फैसले को स्वागत योग्य फैसला बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा, भारतीय संविधान के मान–सम्मान व मर्यादा तथा इसके समतामूलक एवं कल्याणकारी उद्देश्यों के विरुद्ध जाकर दिल्ली विश्वविद्यालय के विधि विभाग में मनुस्मृति पढ़ाए जाने के प्रस्ताव का तीव्र विरोध स्वाभाविक तथा इस प्रस्ताव को रद्द किए जाने का फैसला स्वागत योग्य कदम। इससे आगे मायावती ने लिखा कि परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर ने खघसकर उपेक्षितों व महिलाओं के आत्म–सम्मान व स्वाभिमान के साथ ही मानवतावाद एवं ध र्मनिरपेक्षता को मूल में रखकर सर्व स्वीकार भारतीय संविधान की संरचना की, जो मनुस्मृति से कतई मेल नहीं खाता है। अतः ऐसा कोई प्रयास कतई उचित नहीं। दिल्ली विश्वविद्यालय ने लॉ फैकल्टी के उस प्रस्ताव को नकार दिया है, जिसमें मनुस्मृति को पढ़ाए जाने की बात कही गई थी। दरअसल, लॉ फैकल्टी ने फर्स्ट और थर्ड ईयर के छात्रों को 'मनुस्मृति' पढ़ाने के लिए सिलेबस में संशोधन करने के लिए मंजूरी मांगी थी। इसमें मनुस्मृति पर दो पाठ दृ जीएन झा की मेधातिथि के मनुभाष्य के साथ मनुस्मृति और टी कृष्णस्वामी अय्यर द्वारा मनुस्मृति की टिप्पणी "स्मृतिचंद्रिका" को शामिल करने का प्रस्ताव रखा गया था। डीयू के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय में ऐसा नहीं होने दिया जाएगा, इसलिए प्रस्ताव को रिजेक्ट कर दिया गया है। इस पर बसपा प्रमुख मायावती ने खुशी जताई है और फैसले का स्वागत किया है।

हाउस टैक्स सुधार के लिए नगर–निगम मुख्यालय पहुंचे लोग, जीआईएस सर्वे से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के नगर निगम मुख्यालय में हाउस टैक्स और जीआईएस सर्वे से जुड़ी शिकायतों को लेकर आज कैंप लगाया गया है। अपनी शिकायतों के समाधान के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे हैं। कैंप में नगर आयुक्त और मेयर मौजूद है। नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव के आदेश के बाद हर शुक्रवार को कैंप लगाकर शिकायतों के निस्तारण के लिए कहा गया है। नगर निगम सीमा में जीआईएस (ग्लोबल इन्फार्मेशन सिस्टम) सर्वे के माध्यम से भवनों का कर निर्धारण किया जा रहा है। निजी एजेंसी ने मनमाने तरीके से भवनों का वार्षिक मूल्यांकन बढ़ा दिया। यहां तक की कई घरों का हाउस टैक्स चार गुना तक बढ़ गया है। जीआइएस मैपिंग की वजह से करीब 2 लाख 41 हजार लोगों का हाउस टैक्स आया है। उसमें हजारों लोगों का हाउस टैक्स कई गुना बढ़ गया है। आरोप है कि अब इसको सही कराने के नाम पर विभाग के लोग मनमानी कर रहे हैं। लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल ने इस प्रक्रिया को लेकर आपत्ति जताई थी। उन्होंने नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह को पत्र लिख इसे बैन करने को कहा है। हालांकि आचार संहिता के बीच इसको लेकर कोई ठोस फैसला नहीं लिया जा सका था। नगर निगम प्रशसान ने कहा कि जिन्हें जीआईएस सर्वे के बाद हाउस टैक्स को लेकर आपत्ति है, वे मुख्यालय में लगे कैंप से संपर्क कर सकते हैं। समाधान कैंप की टाइमिंग सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक की होगी।

विद्युत कर्मचारियों ने ऊर्जा मंत्री को दी जन्मदिन की बधाई

लखनऊ, एजेंसी। ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री एके शर्मा के आवास पर पुनीत राय के नेतृत्व में मिलकर विद्युत मजदूर संगठन एवं विद्युत संविदा मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने उन्हें जन्मदिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

प्रतापगढ़ जिले ने 30 दिनों के अन्दर 2017 खेत तालाब स्थापित कर बनाया एलीट वर्ल्ड रिकार्ड,

केन्द्रीय टीम ने जनपद के एलीट वर्ल्ड रिकार्ड बनाये जाने पर जिलाधिकारी व प्रभारी सीडीओ को प्रमाण पत्र व मेडल से किया सम्मानित
केन्द्रीय टीम ने जनपद के खोदे गये 2017 खेत तालाब को शत् प्रतिशत किया अप्रुव,
खेत तालाब परियोजना आने वाले वर्षो में किसानों और आम जनता के लिये स्थायी आजीविका प्रदान करेगी–केन्द्रीय टीम,
खेत तालाब स्थापित कर एलीट वर्ल्ड रिकार्ड बनाना अधिकारियों की कड़ी मेहनत का परिणाम–जिलाधिकारी

प्रतापगढ। उत्तर प्रदेश सरकार के प्रतापगढ़ जिले के जिला ग्रामीण विकास विभाग ने जिले के 17 ब्लाकों जिसमें 1148 ग्राम पंचायतों शामिल है में किसानों के लिये 2017 खेत तालाब स्थापित करने का विश्व रिकार्ड स्थापित करके एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस पहल में शामिल श्रमिकों को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना (एमजीएनआरईजीएस) के तहत कवर किया गया था, जिससे 30 दिनों से अधिक का निरन्तर रोजगार सुनिश्चित हुआ। इस उपलब्धि को ''एलिट वर्ल्ड रिर्काड्स'' द्वारा ''30 दिनों में एकाधिक स्थानों पर बनाये गये सर्वाधिक खेत तालाब'' की श्रेणी में प्रमाणित किया गया जिसके क्रम में विकास भवन सभागार में केन्द्रीय टीम की मौजूदगी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। विकास भवन सभागार में 09 केन्द्रीय सदस्यी टीम क्रमशः डा0 प्रदीप कुमार कृष्णमूर्ति, डा0 सत्यश्री केदारीसेट्टी, अमित के0 हिंगोरानी, वेंकेटेशवरन के0 रविकुमार, बाला नागा सईं कृ ष्णा, राजेश ए0एन0 नन्जुन्दास्वामी, रक्षिता रंगास्वामी, भावना एन0 व डा0 बी0 शिवा कुमारन ने जनपद में 30 दिनों के अन्दर 2017 खेत तालाब स्थापित कर एलीट वर्ल्ड रिकार्ड बनाये जाने पर जिलाधिकारी संजीव रंजन, मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा, जिला विकास अधिकारी राकेश प्रसाद, समस्त बीडीओ, डीसी मनरेगा की सराहना की और कहा कि यह जिला प्रशासन का महर्षि भगीरथ प्रयास है जैसे महर्षि भागीरथ ने माँ गंगा का धरती पर अवतरण करवाया था उसी प्रकार प्रमुख रूप से जिलाधिकारी संजीव रंजन एवं मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा एवं जिला विकास अधिकारी राकेश प्रसाद के प्रयासों का प्रतिफल है। केन्द्रीय टीम ने कहा कि जनपद में 2017 फार्म पान्ड स्थापित करना आसान कार्य नही है लेकिन जिला प्रशासन की टीम द्वारा जो कार्य किया गया वह बधाई के पात्र है। केन्द्रीय टीम ने कहा कि खेत तालाब स्थापित होने से आने वाली पीढ़ी के लिये एक प्रकार से उपहार है, खेत तालाब से विभिन्न प्रकार के रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते है, जल स्तर में काफी सुधार आयेगा। केन्द्रीय टीम ने बताया कि जनपद के 400 खेत तालाबों का निरीक्षण किया गया, प्रत्येक तालाब की लम्बाई न्यूनतम 68 फिट, चौड़ाई 34 फिट और गहराई 5 फिट है। जिला प्रशासन ने एलीट वर्ल्ड रिकार्ड टीम द्वारा निर्धारित सभी मानदण्डों और विनियमों का सावधानीपूर्वक पालन किया है। यह परियोजना आने वाले वर्षो में किसानों और आम जनता के लिये स्थायी आजीविका प्रदान करेगी। केन्द्रीय टीम ने जनपद के खोदे गये 2017 खेत तालाब को शत् प्रतिशत अप्रुव किया। केन्द्रीय टीम ने जनपद के एलीट वर्ल्ड रिकार्ड बनाये जाने पर जिलाधिकारी व प्रभारी सीडीओ को प्रमाण पत्र व मेडल से सम्मानित किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में जो 2017 खेत तालाब स्थापित हुये गये वह मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा के अथक प्रयासों व सोच से ही सम्भव हो पाया है। उन्होने कहा कि जिला विकास अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी, डीसी मनरेगा, एपीओ की कड़ी मेहनत के प्रयासो का ही यह फल है। उन्होने कहा कि क्षेत्र के सभी किसानों को लाभ होगा और स्थायी जल प्रबन्धन के लिये परियोजना की प्रतिबद्धता और राज्य भर में इसी तरह की पहल के लिये एक मॉडल के रूप में काम करने की क्षमता पर जोर दिया। उन्होने कहा कि मुख्य विकास अधिकारी नवनीत सेहारा ने विशेषकर गर्मियों के दौरान प्रतापगढ़ जैसे जिलों में कृषि के लिये पानी की गम्भीर कमी पर प्रकाश डाला, इस आवर्ती समस्या के समाधान के लिये वर्षा जल संचयन को लागू करने, कृषि के लिये पर्याप्त जल भण्डारण सुनिश्चित करने और भूजल क्षमता में सुधार करने के लिये परियोजना शुरू की। विस्तृत योजना सत्रों के बाद स्थायी समाधान प्रदान करने के लिये जिले भर में कई स्थानों पर खेत तालाबों का निर्माण करने का निर्णय लिया गया। सीडीओ ने खेत तालाबों की प्रगति और निष्पादन की निगरानी के लिये एक कठोर तीन–स्तरीय आंतरिक सत्यापन प्रक्रिया के कार्यान्वयन पर जोर दिया। 2017 खेत तालाब सामूहिक रूप से एक मानसून में औसतन 667.122 मिलियन लीटर वर्षा जल संग्रहित कर सकते है। उन्होने कहा कि तालाब मछली पालन, सिंघाड़ा और मखाना की खेती जैसी गतिविधियों के माध्यम से आजीविका भी बढ़ायेगें। जिला प्रशासन ने किसानों की उनकी आय बढ़ाने और उनके जीवन स्तर में सुधार करने में मदद करने के उद्देश्य से मत्स्य पालन विभाग की योजनाओं में खेत तालाब लाभार्थियों का नामांकन शुरू कर दिया है। जिलाधिकारी ने कहा कि एक सोच और लक्ष्य रखकर काम किया जाये तो निश्चित ही आश्चर्य जनक परिणाम प्राप्त होता है।

इस अवसर पर प्रभारी सीडीओ जिला विकास अधिकारी राकेश प्रसाद ने कहा कि जिलाधिकारी के कुशल नेतृत्व में आज हम सब लोग इस ऐतिहासिक क्षण के पात्र बने है, जो हमारे प्रतापगढ़ ने 2017 खेत तालाब बनाने का एलिट वर्ल्ड रिकार्ड बनाया है, यह हम सबके लिये गौरव की बात है। उन्होने बताया कि जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी के निरीक्षण के दौरान जो भी कमियां या त्रुटि बतायी जाती उसका हम लोगों के द्वारा तत्काल अनुपालन सुनिश्चित कराया गया, हम सबका यही दायित्व रहा कि जो लक्ष्य दिया गया उसको निर्धारित समय सीमा के अन्दर पूर्ण करना है। खेत तालाब योजना के अन्तर्गत विकास खण्ड आसपुर देवसरा में 117, बाबा बेलखरनाथधाम में 130, बाबागंज में 111, बिहार में 104, गौरा में 130, कालाकांकर में 125, कुण्डा में 104, लक्ष्मणपुर में 143, लालगंज में 104, मंगरौरा में 110, मानधाता में 136, पट्टी में 111, सदर में 110, रामपुर संग्रामगढ़ में 112, सण्ड़वा चन्द्रिका में 130, सांगीपुर में 110 व शिवगढ़ में 130 कुल 2017 खेत तालाब स्थापित है। कार्यक्रम के अन्त में जिलाधिकारी ने केन्द्रीय टीम को अंगवस्त्रम् व गिफ्ट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त

नाटो की बैठक में देर से पहुंचे बाइडेन, जॉर्जिया मेलोनी ने इस अंदाज में दिया एक्सप्रेशन

राष्ट्रपति जो बिडेन नाटो बैठक के लिए देर से पहुंचे तो जियोर्जिया मेलोनी को अपनी आँखें घुमाते हुए कैमरे में कैद किया गया। हाई–स्टेक प्रेस कॉन्फ्रेंस के आह्वान के बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति और नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग देर से पहुंचे। जिससे इतालवी और फिनिश राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब काफी निराश दिखे। इसके बाद से यह वीडियो वायरल हो गया है, जिससे व्हाइट हाउस की

लेटलतीफी की आलोचना हो रही है। एक नए वीडियो में मेलोनी पूरी तरह से हताश दिखाई दे रही थी, अपनी आँखें घुमा रही थी और नाटकीय रूप से अपने फेशियल एक्सप्रेशन दे रहीं थी। घड़ी की सुईयां शिखर सम्मेलन के लिए निर्धारित समय सुबह 10 बजे से आगे बढ़ रही थी। रिपोर्टों से पता चलता है कि कार्यक्रम शुरू होने के ठीक 20 मिनट बाद बाइडेन वहां पहुंचे। इतालवी नेता और फ़िनिश राष्ट्रपति के बीच बातचीत में एक और व्यक्ति शामिल हुआ जिसने समय देखने के लिए अपना फ़ोन निकाला। उस क्षण, उसने अपनी आँखें घुमाईं और फिर से भौंहें सिकोड़ लीं, तभी उसने देखा कि कैमरे उस पर केंद्रित थे। हालाँकि वीडियो किसी भी श्रव्य बातचीत को पकड़ने के लिए बहुत दूर था, लेकिन यह स्पष्ट था कि तीनों स्पष्ट रूप से श्परेशानश दिखाई दे रहे थे। सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहें थीं कि मेलोनी इसके खिलाफ निर्णय लेने से पहले बाइडेन की नकल कर रही थीं। यह पहली बार नहीं है कि वह अपने प्रसिद्ध आई रोल के लिए मशहूर हुई हैं। क्या आपको फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ प्रतिष्ठित जी7 हैंडशेक याद है?

हवाई के काउई द्वीप के पास हेलीकॉप्टर दुर्घनाग्रस्त, तीन यात्री थे सवार

अमेरिकी राज्य हवाई के काउई द्वीप के पास बृहस्पतिवार को एक हेलीकॉप्टर दुर्घनाग्रस्त हो गया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के अनुसार, रॉबिन्सन आर44 नामक हेलीकॉप्टर में तीन यात्री सवार थे, लेकिन दोपहर करीब दो बजे हेलीकॉप्टर ना पाली तट पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। तटरक्षक प्रमुख पेटी ऑफिसर कोरिन जिल्निकी ने बताया कि घटनास्थल से गुजर रहे एक पैदल यात्री ने हेलीकॉप्टर को दुर्घटनाग्रस्त होते हुए देखा था। इसके बाद उसने अमेरिकी तटरक्षक और हवाई एजेंसी को इसके बारे में सूचना दी। उन्होंने कहा कि इस हादसे में फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। कोरिन ने बताया कि राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड इस घटना की जांच करेगा।

भारत के साहसिक लक्ष्यों ने चंद्र मिशन की सफलता में निभाई प्रमुख भूमिका : टीव स्मिथ

नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री और प्रौद्योगिकी कार्यकारी स्टीव ली स्मिथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस, जापान और अमेरिका जैसे बड़े दिग्गजों को पछाड़कर अपने चंद्र मिशन को हासिल करने में भारत के 'साहसिक' लक्ष्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्मिथ भारत के 'चंद्रयान–3' मिशन का जिक्र कर रहे थे जिससे भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में सफलतापूर्वक अंतरिक्ष यान उतारने वाला पहला देश बन

गया। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री यहां देश के पहले 'इंटरनेशनल जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' (जेनएआई) सम्मेलन में ''स्काईवॉकर से सीखे गए पाठ'' विषय पर एक सत्र में बोल रहे थे। सम्मेलन का आयोजन केरल राज्य औद्योगिक विकास निगम (केएसआईडीसी) द्वारा आईबीएम के सहयोग से किया गया। स्मिथ ने भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री कल्पना चावला के साथ अपनी दोस्ती को याद किया। उन्होंने अंतरिक्ष यात्री कार्यक्रम के लिए आवेदन करने पर नासा द्वारा खुद को चार बार खारिज कर दिए जाने की बात भी बताई।

यमन के हूतियों ने ईरानी मिसाइल पोत पर दागी थी : अमेरिकी रिपोर्ट

अमेरिकी सेना ने कहा है कि यमन के हूती विद्रोहियों ने पिछले साल दिसंबर में लाल सागर में नॉर्वे के ध्वज लगे टैंकर पर ईरान निर्मित जहाज़ रोधी क्रूज़ मिसाइल दागी थी। सेना के मुताबिक, यह हमला पोतों पर आक्रमण करने के हूती के अभियान और ईरान के बीच सार्वजनिक, साक्ष्य–आधारित संबंध प्रदान करता है। अमेरिकी रक्षा खुफिया एजेंसी द्वारा बुधवार को जारी रिपोर्ट में 'स्ट्रिंडा' नाम के पोत पर हमले का संबंध ईरान से जोड़ा गया है जो यमन में करीब एक दशक के युद्ध में हूती का मुख्य समर्थक है। ये निष्कर्ष नॉर्वे स्थित बीमाकर्ता समूह के निष्कर्षों से मेल खाते हैं, जिसने 'स्ट्रिंडा' पर मिले मलबे की जांच की थी। यह रिपोर्ट ऐसे वक्त में आई है जब इज़राइल–हमास युद्ध को लेकर हूती लाल सागर में पोतों को निशाना बना रहा है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन ने 'एसोसिएटेड प्रेस' के प्रश्नों का उत्तर देते हुए हूतियों को हथियार देने से इनकार किया। मिशन ने कहा, " हम जानते हैं कि (हूतियों ने) अपने स्वयं के स्रोतों से अपनी सैन्य क्षमताओं को काफी विकसित किया है।" उसने कहा, " उनके खिलाफ लंबे समय से चल रहा युद्ध उनकी सैन्य शक्ति के विस्तार का मुख्य कारक है।" 'स्ट्रिंडा' टैंकर 'पाम ऑयल' लेकर मलेशिया से आ रहा था। उसे स्वेज नहर होते हुए इटली जाना था, तभी 11 दिसंबर को मिसाइल से उस पर हमला किया गया।

यूक्रेन में रूस के आक्रमण को समाप्त करने की मांग वाला पेश हुआ संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रस्ताव, भारत ने समर्थन करने से किया इनकार

भारत ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में उस प्रस्ताव का समर्थन करने से इनकार कर दिया है जिसमें रूस से यूक्रेन के खिलाफ अपने आक्रमण को तुरंत समाप्त करने और ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र से अपने बलों और अन्य अनधिकृत कर्मियों को तत्काल वापस बुलाने का आग्रह किया गया था, समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने गुरुवार को प्रस्ताव को 99 मतों के साथ पारित किया, जिसके पक्ष में नौ मत पड़े और 60 मतों ने मतदान में भाग नहीं लिया, जिसमें भारत, बांग्लादेश, भूटान, चीन, मिस्र, नेपाल, पाकिस्तान, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका शामिल थे। प्रस्ताव के खिलाफ मतदान करने वालों में बेलारूस, क्यूबा, उत्तर कोरिया, रूस और सीरिया शामिल थे। रूस से यूक्रेन में अपने आक्रमण को समाप्त करने का आह्वान करने वाला प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मॉस्को दौरे और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के कुछ दिनों बाद आया। वार्ता के दौरान, पीएम मोदी ने यूक्रेन युद्ध के बाद की स्थिति, जिसमें दो साल से अधिक समय तक चले संघर्ष में बच्चों की मौत भी शामिल है, पर चर्चा की। 'ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र सहित यूक्रेन की परमाणु सुविधाओं की सुरक्षा और संरक्षा' शीर्षक वाले संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव में मांग की गई है कि रूस ''तुरंत यूक्रेन के खिलाफ अपनी आक्रामकता बंद करे और बिना शर्त यूक्रेन के क्षेत्र से अपनी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीमाओं के भीतर अपनी सभी सैन्य ताकतों को

वापस बुलाए''। इसमें यह भी मांग की गई है कि रूस ज़ापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र से अपनी सेना और अन्य अनधिकृत कर्मियों को तत्काल वापस बुलाए और सुविधा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसे तुरंत यूक्रेन को सौंप दे। इसमें यूक्रेन के महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढांचे के खिलाफ रूस द्वारा हमलों को तत्काल रोकने का आह्वान किया गया है, जिससे युद्धग्रस्त देश में परमाणु दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। मसौदा प्रस्ताव यूक्रेन द्वारा पेश किया गया था और इसे फ्रांस, जर्मनी और अमेरिका सहित 50 से अधिक सदस्य देशों द्वारा प्रायोजित किया गया था। संकल्प पर मतदान से पहले, रूस के प्रथम उप स्थायी प्रतिनिधि दिमित्री पोलांस्की ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ष्दुर्भाग्य सेष कई दस्तावेजों को अपनाया है जो बिना सहमति के, राजनीतिकरण वाले थे और वास्तविकता को प्रतिबिंबित नहीं करते थे। उन्होंने कहा, ष्इसमें कोई संदेह नहीं हैरू आज के मसौदे के पक्ष में मतदान को कीव, वाशिंगटन, ब्रूसेल्स और लंदन द्वारा यूक्रेनी संघर्ष को और बढ़ाने की उनकी नीति के समर्थन के प्रमाण के रूप में देखा जाएगा, जो संघर्ष का शांतिपूर्ण, टिकाऊ और दीर्घकालिक समाधान खोजने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के एक समझदार हिस्से द्वारा उठाए गए कदमों के लिए हानिकारक है।''

भारत की जनसंख्या 2060 के दशक की शुरुआत में 1.7 अरब तक पहुंच जाएगी : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने कहा है कि भारत की जनसंख्या 2060 के दशक की शुरुआत में लगभग 1.7 अरब तक पहुंच जाने का अनुमान है और इसके बाद इसमें 12 प्रतिशत की कमी आएगी, लेकिन इसके बावजूद यह पूरी शताब्दी के दौरान विश्व में सबसे अधिक आबादी वाला देश बना रहेगा। बृहस्पतिवार को यहां जारी 'वर्ल्ड पॉपुलेशन प्रॉस्पेक्ट्स 2024' रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले 50–60 वर्षों के दौरान दुनिया की जनसंख्या में वृद्धि जारी रहने का अनुमान है और 2024 में यह 8.2 अरब तक पहुंच जाएगी, जबकि 2080 के दशक के मध्य तक लगभग दुनिया की आबादी लगभग 10.3 अरब हो जाएगी। हालांकि, चरम स्थिति पर पहुंचने के बाद वैश्विक जनसंख्या में धीरे–धीरे गिरावट आने का अनुमान है और यह सदी के अंत तक घटकर 10.2 अरब रह जाएगी। भारत पिछले साल चीन को पीछे छोड़कर विश्व का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया था और 2100 तक यह उसी स्थान पर बना रहेगा। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग (डीईएसए) के जनसंख्या प्रभाग द्वारा प्रकाशित संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है, इस शताब्दी में भारत के सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बने रहने की संभावना है, हालांकि 2060 के दशक की शुरुआत में इसकी आबादी लगभग 1.7 अरब तक पहुंचने के बाद इसमें 12 प्रतिशत की गिरावट आने का भी अनुमान है।'' रिपोर्ट के अनुसार भारत की जनसंख्या 2024 में 1.45 अरब तक पहुंच सकती है। वहीं, 2054 में यह बढ़कर 1. 69 अरब तक पहुंच जाएगी। इसके अनुसार यह भी अनुमान है कि सदी के अंत तक 2100 में भारत की आबादी घटकर 1.5 अरब हो जाएगी, लेकिन इसके बावजूद यह दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बना रहेगा। भारत की जनसंख्या के अनुमान पर पीटीआई– द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए

संयुक्त राष्ट्र डीईएसए के जनसंख्या प्रभाग की वरिष्ठ अधिकारी क्लेयर मेनोजी ने कहा, भारत वर्तमान में जनसंख्या के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा देश है और पूरी शताब्दी में इसके शीर्ष पर ही बने रहने का अनुमान है। वर्तमान में भारत की जनसंख्या 1.45 अरब तक पहुंच सकती है और बाद में यह बढ़कर 1.69 अरब भी हो जाएगी। मेनोजी ने कहा, ऐसा माना जा रहा है कि 2060 के दशक के आसपास भारत की आबादी चरम पर होगी और फिर इसमें धीरे–धीरे कमी आनी शुरू हो जाएगी। ऐसे में सदी के अंत तक भारत की जनसंख्या लगभग 1.5 अरब हो जाएगी, लेकिन फिर भी यह दुनिया में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश बना ही रहेगा।'' रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की जनसंख्या वर्ष 2054 में घटकर 1.21 अरब तक पहुंच जाएगी। वर्तमान में चीन की आबादी 1.41 अरब है।

भूस्खलन के कारण दो बसें त्रिशूली नदी में बही, 63 लोग लापता, उड़ानें रद्द

नेपाल में मदन–आश्रित राजमार्ग पर आज सुबह भूस्खलन हो गया है। जब यहां भूस्खलन हुआ तभी वहां से दो बसें गुजर रही थी, जिसमें 63 लोग सवार थे। भूस्खलन के कारण ये दोनों ही बसें त्रिशूली नदी में बह गईं। काठमांडू जा रही एंजेल बस और गणपति डीलक्स के बीच यह हादसा सुबह करीब 3रू30 बजे हुआ, जब क्षेत्र में भारी बारिश हो रही थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार शुक्रवार को नेपाल में हुए भीषण भूस्खलन में दो बसें बह गईं और वाहन उफनती नदी में गिर गए, जिसके बाद कई भारतीयों सहित कम से कम 65 लोग लापता बताए जा रहे हैं। संभावना है कि बस में सात भारतीय लोग भी सवार थे जो भूस्खलन के कारण पानी में बह गए है। चितवन के मुख्य जिला अधिकारी इंद्रदेव यादव ने एएनआई को बताया कि जब बसें राजमार्ग पर जा रही थीं,

तभी भूस्खलन हुआ, जिससे वे सड़क से उतरकर नीचे उफनती नदी में जा गिरी। उन्होंने कहा, ष्आरंभिक जानकारी के अनुसार दोनों बसों में चालकों सहित कुल 63 लोग सवार थे। भूस्खलन के कारण बसें सुबह करीब साढ़े तीन बजे बह गईं। हम घटनास्थल पर हैं और तलाशी अभियान चल रहा है। यादव ने एएनआई से कहा, ''लगातार बारिश के कारण लापता बसों की तलाश में हमें दिक्कत आ रही है।'' नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने सभी सरकारी एजेंसियों को यात्रियों की खोज और बचाव का निर्देश दिया। "मुझे नारायणगढ़–मुग्लिन सड़क खंड पर भूस्खलन में बसों के बह जाने के बाद लगभग पांच दर्जन यात्रियों के लापता होने की रिपोर्ट और देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन के कारण हुई संपत्ति के नुकसान से गहरा दुख हुआ है। दहल ने एक्स पर लिखा, ''मैं गृह प्रशासन सहित सरकार की सभी एजेंसियों को यात्रियों की खोज करने और उन्हें प्रभावी तरीके से बचाने का निर्देश देता हूं।'' नेपाली सेना ने खोज और बचाव अभियान का एक वीडियो साझा किया। इस बीच, एएनआई के अनुसार, खराब मौसम के कारण काठमांडू से भरतपुर जाने वाली सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने पिछले सप्ताह बताया कि मानसून के मौसम की शुरुआत के बाद से नेपाल में वर्षाजनित घटनाओं में कम से कम 62 लोग मारे गए हैं तथा 90 अन्य घायल हुए हैं। भूस्खलन से 34 लोग मारे गए, जबकि लगातार बारिश के कारण आई बाढ़ में 28 लोग मारे गए। इन प्राकृतिक आपदाओं के कारण सात व्यक्ति लापता बताए गए हैं। भारी बारिश के कारण संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा है, कम से कम 121 घर जलमग्न हो गए हैं तथा 82 अन्य क्षतिग्रस्त हो गए हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण देश भर में कुल 1,058 परिवार विस्थापित हुए हैं।

युद्ध जीतने के लिए अमेरिका को रूस के अंदर सैन्य लक्ष्यों पर हमले पर लगी रोक हटानी होगी : जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार को कहा कि रूस के साथ युद्ध जीतने के लिए अमेरिका को रूसी सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए उसके हथियारों के इस्तेमाल पर लगाई गई रोक हटानी होगी। जेलेंस्की ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन स्टोलटेनबर्ग की उपस्थिति में कहा, अपने देश को बचाना चाहते हैं सभी सीमाओं को हटाना होगा।'' रूस के खिलाफ बचाव के लिए जताई है। इससे पहले दिन में, के लिए अपने समर्थन की पुष्टि की घोषणा की। जेलेंस्की ने इस दिए जाने के आश्वासन के लिए उन्होंने साथ ही कहा कि यूक्रेन

के अंतिम घंटों में नाटो महासचिव जेन्स ''अगर हम जीतना चाहते हैं, अगर हम और इसकी रक्षा करना चाहते हैं, तो हमें इस सम्मेलन में यूक्रेन के सहयोगियों ने उसे और सैन्य मदद देने की प्रतिबद्धता अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन करते हुए एक नए सैन्य सहायता पैकेज पैकेज के लिए और उसे नाटो की सदस्यता सार्वजनिक रूप से धन्यवाद दिया। लेकिन रूस के खिलाफ युद्ध तब तक नहीं जीत सकता, जब तक अमेरिका, रूस में सैन्य लक्ष्यों पर हमला करने के लिए अपने हथियारों के उपयोग पर लगाई रोक को नहीं हटाता।

इजरायल ने कश्मीर का कौन सा इलाज बता दिया? सकते में है पूरी दुनिया

जम्मू कश्मीर में आतंकी वारदातों में अचानक तेजी आ गई है। पिछले 48 घंटे में तो गजब ही हो गया। चार आतंकी वारदातों से जम्मू कश्मीर दो चार हुआ है। कश्मीरी आतंकी बुरहान बानी की मौत का बदला लेने के लिए पाकिस्तान के आतंकियों ने कठुआ जिले के मछेड़ी क्षेत्र में सेना के काफिले पर घात लगाकर हमला किया। आतंकियों ने पहाड़ी से आर्मी ट्रक पर पहले ग्रेनेड फेंके फिर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई। इस हमले में जेसीओ समेत पांच ने दम तोड़ दिया। ये हमला इसलिए किया गया क्योंकि 8 जुलाई 2016 को भारतीय सेना ने आतंकी बुरहान बानी को जहन्नुम पहुंचाया था। बहरहाल, जम्मू कश्मीर में जो कुछ हो रहा है उसका इलाज भारत के पक्के दोस्त इजरायल ने बताया है। इजरायल ने एक वीडियो जारी करते हुए बताया है कि आतंकियों से कैसे निपटा जाता है। कश्मीर में अगर इजरायल का मॉडल आ गया तो आतंकियों के होश फाख्ता हो जाएंगे। कश्मीर में बैठे आतंकी जब हमास की नकल कर रहे हैं तो भारतीय सेना को भी इजरायल वाला मॉडल अपनाना होगा। अभी कुछ दिनों पहले की ही बात है भारतीय सेना को एक सर्च ऑपरेशन के दौरान कुलगाम में एक खुफिया ठिकाना मिला। जिसका रास्ता एक अलमारी से होकर गुजर रहा था। कश्मीर में बैठे आतंकी हमास की नकल कर रहे हैं। इजरायली सेना को भी सर्च ऑपरेशन के दौरान गुफाओं का एक जाल नजर आया था। इजरायल की सेना ने कुछ ही सेकेंड में इन टनल्स को तबाह कर दिया। जिसमें150 से ज्यादा आतंकी मारे गए। आतंक की इन गुफाओं से भारी मात्रा में हथियार और खुफिया डाक्यूमेंट्स मिले हैं। इस तरह के ऑपरेशन में सबसे बड़ी चुनौती टनल को ढूंढ़ना होता है। एक बार टनल्स मिल जाए तो उन्हें उड़ाना आसान होता है।

बाइडेन ने फिर करा दी अमेरिका की बेइज्जती, कमला हैरिस को उपराष्ट्रपति ट्रंप बता दिया

कन्फ्यूज से दिखने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन इन दिनों अमेरिका के लिए पब्लिक अपियरेंस में राष्ट्रपति के तौर पर काफी कमजोर नजर आ रहे हैं। जी7 की वो तस्वीर आपको याद होगी कि किस तरह से जो बाइडेन बाकी राष्ट्राध्यक्षों से दूर जाते हुए नजर आए थे। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का ध्यान जैसे ही उन पर पड़ा उन्हें अंदाजा हो गया कि जो बाइडेन कन्फ्यूज हो गए हैं। तभी उनका हाथ पकड़कर वो उन्हें बाकी राष्ट्राध्यक्षों के साथ लाकर खड़ा कर देती हैं। एक बार फिर जो बाइडेन बेइज्जती का सबब बन चुके हैं। अमेरिका को बार–बार राष्ट्रीयस्तर पर शर्मिंदगी का सामना करता पड़ता है। जी7 के बाद अब मौका नाटो का था। नाटो में भी जो बाइडेन ने कुछ ऐसा ही किया। इस बार दो दफा ऐसा कुछ हुआ कि जो बाइडेन की जुबान फिसली और अमेरिका को बेइज्जती का सामना करना पड़ा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वाशिंगटन में आयोजित नाटो कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान गलती से कमला हैरिस को श्उपराष्ट्रपति ट्रम्पश बता दिया। इस कार्यक्रम में नाटो सदस्यों ने फरवरी 2022 में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा शुरू किए गए आक्रमण का मुकाबला करने के लिए यूक्रेन को समर्थन दिया। बाइडेन को दानदाताओं, समर्थकों और साथी डेमोक्रेट्स के संदेह का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें डर है कि अब उनके पास 5 नवंबर के चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति ट्रम्प को हराने या अगले चार साल के कार्यकाल के लिए देश का नेतृत्व करने की क्षमता नहीं है। इससे पहले यूक्रेन के लिए नाटो के स्थायी समर्थन के बारे में बाइडेन के भाषण के अंत में गलती हुई।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।